सूर्योदय : 06.26 बजे
सूर्यास्त : 05.34 बजे
मंगलवार, 12 जुलाई 2022
वर्ष-2-अंक 224
मूल्य 2 पृष्ठ 8
e-mail: aknewstv2@gmail.com
RNI TITLE CODE : UPHIN49345

हिन्दी दैनिक

अमर ख्याल

जुनून सच का

(महमूदाबाद) सीतापुर से प्रकाशित

खास ख़बर

अमरनाथ में बादल फटने की घटना के बाद त्वरित प्रतिक्रिया से मौतें सीमित रहीं : वायुसेना

श्रीनगर। वायुसेना के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि पवित्र अमरनाथ गुफा के पास बादल फटने के बाद बचाव एवं राहत कार्य में सबसे पहले जुटे लोगों की कोशिश से ही यह सुनिश्चित हुआ कि इस घटना में मृतकों की संख्या सीमित रही। इस गुफा के पास आठ जुलाई को भारी बारिश के बाद अचानक बाढ़ आ जाने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई तथा 30 से ज्यादा लोग लापता हैं। एअर कोमोडोर पंकज मित्तल ने यहां संवाददाताओं से कहा, लोगों द्वारा पहले दिन किए गए प्रयासों का ही नतीजा रहा कि मृत्यु एवं हताहत होने की संख्या वाकई सीमित रही।

जेईई मेन : 14 उम्मीदवारों ने 100 पर्सेंटाइल अंक प्राप्त किए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन का परिणाम घोषित कर दिया है जिसमें 14 उम्मीदवारों ने 100 पर्सेंटाइल अंक हासिल किए हैं। एनटीए के अनुसार, जेईई-मेन 2022 के प्रथम संस्करण में सबसे अधिक शीर्ष स्कोर प्राप्त करने वाले छात्रों में तेलंगाना से चार और आंध्र प्रदेश के तीन छात्र शामिल हैं। तेलंगाना से शीर्ष स्कोर हासिल करने वाले छात्रों में जस्ती यश्वनाथ वी वी एस, रूपेश बियानी, अनिकेत चट्टोपाध्याय और धीरज कुरस्कुंदा हैं। वहीं, आंध्र प्रदेश से शीर्ष स्कोर हासिल करने वालों में कोयायाना सुहास, पी रवि किशोर और पोलीशेट्टी कार्तिकेय हैं।

चीन की बढ़ती घुसपैठ और पीएम की चुप्पी देश के लिए बहुत हानिकारक

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय क्षेत्र में बढ़ती चीनी घुसपैठ और उस संबंध में प्रधानमंत्री की चुप्पी देश के लिए बहुत हानिकारक है। राहुल ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री के पांच सच को साझा किया और आरोप लगाया कि वह चीन से डरते हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के कुछ सचः 1. चीन से डरते हैं, 2. जनता से सच छिपाते हैं, 3. सिर्फ़ अपनी छवि बचाते हैं, 4. सेना का मनोबल गिराते हैं, 5. देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं। चीन की बढ़ती घुसपैठ और प्रधानमंत्री की चुप्पी, देश के लिए बहुत हानिकारक है। भारतीय क्षेत्र में चीनी घुसपैठ और इस मुद्दे से निपटने को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते रहे हैं। कांग्रेस अक्सर आरोप लगाती रही है कि चीन ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है और इसे वापस हासिल करने के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया है।

जरा हट के... बग्गा

धनुष चिह्न पर एकनाथ-ठाकरे शिवसेना में विवाद

चुनाव चिह्न पर विचार करने से पहले आयोग हमारी बात सुने : ठाकरे

■ नई दिल्ली

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने एक पूर्वनिर्धारित कदम के तहत निर्वाचन आयोग का रुख किया और पार्टी चुनाव चिह्न को लेकर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े द्वारा की गई किसी भी मांग पर विचार करने से पहले उसे सुनने की अपील की। शिवसेना नेता अनिल देसाई ने हाल में निर्वाचन आयोग को दिए एक पत्र में पार्टी के चुनाव चिन्ह - धनुष और तीर के दावों के मामले में शिवसेना को सुनने का आग्रह किया है।

निर्वाचन आयोग के एक पदाधिकारी ने कहा, यह एक तरह का आपत्ति पत्र है। शिंदे ने पिछले महीने के अंत में शिवसेना में विद्रोह का नेतृत्व किया था और 40 विधायकों के साथ पार्टी से बाहर हो गए थे। उन्हें 10 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त था, जिसके कारण ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र विकास आघाड़ी सरकार गिर गई थी। शिंदे ने 30 जून को भाजपा द्वारा समर्थित मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने चार जुलाई को विधानसभा में विश्वास मत जीता।

महाराष्ट्र विधानसभा में शिंदे ने पार्टी के विधायक दल के दो-तिहाई से अधिक विधायकों के समर्थन के आधार पर मूल शिवसेना होने का दावा किया है। शिवसेना संसदीय दल में भी विभाजन दिख रहा है, जिसमें कम से कम 14 सांसद शिंदे के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं।

शिंदे शिवसेना के कब्जे वाले नगर निकायों और नगर निगमों पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं और संगठन पर बढ़त भी बनाना चाहते हैं।

ठाकरे ने 56 साल पहले अपने पिता दिवंगत बालासाहेब ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना पर नियंत्रण बनाए रखने के प्रयास को दोगुना कर दिया था। ठाकरे और उनके बेटे आदित्य पार्टी नेताओं से मिल रहे हैं और संगठन को और नुकसान से बचाने के लिए महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों का दौरा भी कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना विधायकों को राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा के नव-निर्वाचित अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को उनकी अयोग्यता का अनुरोध करने वाली याचिका पर आगे नहीं बढ़ने के लिए कहा। शिंदे समूह ने विश्वास मत और विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के दौरान पार्टी व्हिप की अवहेलना करने के आधार पर याचिका में ठाकरे गुट के विधायकों को अयोग्य घोषित करने का अनुरोध किया था।

विजय माल्या को चार माह की सजा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को अदालत की अवमानना के मामले में सोमवार को चार महीने की सजा सुनाई। न्यायमूर्ति यू. यू. ललित की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने कहा कि कानून का शासन बनाए रखने के लिए अवमानना करने वाले को उचित सजा दिया जाना जरूरी है। पीठ ने मामले में माल्या पर 2000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। माल्या 9,000 करोड़ रुपए से अधिक के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में आरोपी हैं।

मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी

राहुल की छूट 28 जुलाई तक बढ़ाई

■ मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर मानहानि की शिकायत के सिलसिले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एक स्थानीय अदालत में पेश होने से मिली छूट सोमवार को 28 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी। न्यायमूर्ति पी. डी. नाइक की एकल पीठ ने मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत को मानहानि याचिका पर सुनवाई 28 जुलाई से आगे की तारीख तक टालने का निर्देश दिया। भाजपा का कार्यकर्ता होने का दावा करने वाले महेश श्रीश्रीमल ने कहा था कि राहुल गांधी ने राफेल लड़ाकू युद्धक विमान सौदे को लेकर 2018 में प्रधानमंत्री के खिलाफ 'कमांडर-इन-थीफ' शब्द का इस्तेमाल किया था। स्थानीय अदालत ने दायर मानहानि की शिकायत के सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पिछले साल 25 नवंबर को उपस्थित होने का निर्देश दिया था। उसके बाद राहुल गांधी ने मामले में खुद को जारी समन को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। पिछले साल नवंबर में, उच्च न्यायालय ने मजिस्ट्रेट अदालत को मानहानि शिकायत पर सुनवाई स्थगित करने का निर्देश दिया था।

देवी काली पर टिप्पणी को लेकर टीएमसी-भाजपा के बीच विवाद जारी

■ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा की देवी काली पर टिप्पणी को लेकर विवाद एक सप्ताह बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं, टीएमसी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस मुद्दे का राजनीतिकरण बंद करने और धर्म को राजनीति के साथ मिलाने से परहेज करने का आग्रह किया। भाजपा ने आश्चर्य जताया कि मोइत्रा की पांच जुलाई को की गई टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। भाजपा के आईटी प्रमुख अमित मालवीय ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवी के बारे में श्रद्धापूर्वक बोलते हैं, जबकि एक टीएमसी सांसद उनका अपमान करती हैं और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, मां काली पर सांसद के अप्रिय चित्रण का बचाव कर रही हैं। मालवीय के इस बयान के बाद दोनों दलों के बीच विवाद फिर से शुरू हो गया।

मौसम पृथ्वी विज्ञान विभाग के सचिव एम रविचंद्रन ने दिल्ली की बारिश के बारे में बताया

पूर्वानुमान के लिए अधिक आवृत्ति वाले अवलोकन की जरूरत

■ नई दिल्ली

मौसम संबंधी पूर्वानुमान के सही साबित नहीं होने के कारण आलोचना से घिरे पृथ्वी विज्ञान विभाग के सचिव एम रविचंद्रन ने सोमवार को बादलों की गति की बेहतर समझ के लिए उच्च आवृत्ति वाले अवलोकन का पुरजोर समर्थन किया। पिछले कुछ हफ्तों से मौसम कार्यालय की ओर से जारी राष्ट्रीय राजधानी में बारिश संबंधी पूर्वानुमान सच नहीं साबित हुए। मौसम कार्यालय की ओर से की गई सोमवार की भविष्यवाणी हकीकत से दूर रही, जिसमें थोड़ी बारिश शनिवार तक होने की भविष्यवाणी की गई थी। रविचंद्रन ने कहा, वास्तव में हमें और अधिक विज्ञान की आवश्यकता है। हमें बेहतर पूर्वानुमानों के लिए अधिक उच्च आवृत्ति वाले अवलोकन की आवश्यकता है, खासकर दिल्ली जैसे क्षेत्रों के लिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र बंगाल की खाड़ी और कम दबाव वाले क्षेत्रों से आने वाली पूर्वी हवाओं के लिए दिल्ली अभिसरण बिंदु है और इस सीमा क्षेत्र के लिए सटीक पूर्वानुमान लगाना हमेशा मुश्किल होता है। रविचंद्रन ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 80 प्रतिशत बादल

छाए हुए हैं, लेकिन बारिश नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि यही स्थिति पहाड़ी क्षेत्रों में होती, तो इसके परिणामस्वरूप निश्चित रूप से बारिश होती।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के लिए उच्च आवृत्ति मौसम अवलोकन और बेहतर पूर्वानुमान के लिए बादल संचरण (क्लाउड डायनामिक्स) की बेहतर समझ की आवश्यकता थी।

पृथ्वी विज्ञान सचिव ने कहा कि अत्यधिक स्थानीय वर्षा की घटनाओं की भविष्यवाणी करने के लिए अभी तक कोई विज्ञान नहीं था, जिसके परिणामस्वरूप शुक्रवार शाम अमरनाथ गुफा मंदिर में त्रासदी हुई जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने कहा, हमारे पास अलग-अलग स्थानों पर होने वाली स्थानीय भारी वर्षा की भविष्यवाणी करने के लिए विज्ञान नहीं है। भूकंप की तरह हमारे पास वर्षा की भविष्यवाणी करने के लिए भी विज्ञान नहीं है।

मोदी ने नए संसद भवन के राष्ट्रीय प्रतीक का किया अनावरण

■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए संसद भवन की छत पर बने राष्ट्रीय प्रतीक का सोमवार को अनावरण किया। अधिकारियों ने बताया कि कांस्य का बना यह प्रतीक 9,500 किलोग्राम वजनी है और इसकी ऊंचाई 6.5 मीटर है। उन्होंने कहा कि यह इस साल के आखिर में नए संसद भवन में कामकाज शुरू होने से पूर्व पहला बड़ा मील का पत्थर है। अधिकारियों के अनुसार, संसद का शीतकालीन सत्र नए भवन में आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय प्रतीक को नए संसद भवन के शीर्ष पर स्थापित किया गया है और इसे सहारा देने के लिए इसके आसपास करीब 6,500 किलोग्राम के इस्पात के एक ढांचे का निर्माण किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार नए संसद भवन की छत पर राष्ट्रीय प्रतीक को स्थापित करने की प्रक्रिया क्ले मॉडलिंग और कम्प्यूटर ग्राफिक्स से लेकर कांस्य की ढलाई और पॉलिश तक आठ विभिन्न स्तरों से गुजरी है। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश और शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने निर्माण स्थल पर एक धार्मिक कार्यक्रम में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान संसद भवन के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों से भी बातचीत की और उनसे कहा कि उन्हें अपने काम पर गर्व होना चाहिए। मोदी ने कहा कि वे राष्ट्र के गौरव में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं।प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, मेरी संसद भवन के निर्माण में लगे श्रमजीवियों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमें उनके प्रयासों पर गर्व है और हमारे देश के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

जब एक श्रमिक ने प्रधानमंत्री के निर्माण स्थल पर आगमन पर प्रसन्नता जताते हुए उत्साहवश कहा कि यह भगवान राम के शबरी की कुटिया में आने जैसा है तो मोदी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, वाह, वाह। यह आपकी कुटिया है। फिर उन्होंने कहा कि देश के हर गरीब व्यक्ति को भी यही लगना चाहिए कि यह उनकी कुटिया है। उन्होंने कहा, आपने बहुत अच्छी बात कही है। जब उन्होंने मजदूरों से पूछा कि उन्हें क्या लगता है, वे एक भवन बना रहे हैं या इतिहास? तो उन्होंने सामूहिक रूप से कहा, इतिहास।

प्रधानमंत्री ने श्रमिकों से संसद भवन के निर्माण में और अन्य किसी परियोजना के निर्माण में शामिल होने के अंतर के बारे में भी पूछा। श्रमिकों ने कहा कि उन्हें नए संसद भवन में काम करते हुए गौरव की अनुभूति होती है। मोदी ने मजदूरों का हाल-चाल पूछा और यह भी सवाल किया कि क्या उन्होंने कोविड-19 रोधी टीके लगवाए हैं।

अन्य दलों को क्यों आमंत्रित नहीं किया गया : कांग्रेस

कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर इस संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन उसके एक नेता और भाजपा के पूर्व सांसद उदित राज ने संसद भवन परिसर में हिंदू रीति-रिवाजों का मुद्दा उठाया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, श्री मोदी ने नए संसद भवन में राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण किया। क्या यह भाजपा से जुड़ा हुआ है? हिंदू रीति-रिवाजों का पालन किया गया, भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। अन्य राजनीतिक दलों को क्यों आमंत्रित नहीं किया गया? भारतीय लोकतंत्र खतरे में है। तृणमूल के राज्यसभा सदस्य जवाहर सरकार ने सवाल किया कि इस प्रक्रिया में सांसदों से सलाह-मशविरा क्यों नही किया गया। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ... लेकिन इस इमारत में काम करने वाले सांसदों से कभी सलाह नहीं ली गई।

विपक्ष ने अनावरण करने के लिए मोदी की आलोचना की

विपक्षी दलों ने सोमवार को नए संसद भवन में राष्ट्रीय प्रतीक का अनावरण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और उन पर शक्ति के पृथक्करण के संवैधानिक सिद्धांत को पलटने, विपक्षी नेताओं की अनुपस्थिति और संसद भवन परिसर में धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन आदि आरोप लगाए। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पोलित ब्यूरो ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री का यह कदम भारतीय संविधान का स्पष्ट उल्लंघन है। पार्टी ने कहा कि संविधान में साफ तौर पर लोकतंत्र के तीन अंगों - कार्यपालिका (सरकार), विधायिका (संसद और राज्य विधानसभाओं) तथा न्यायपालिका के अधिकार अलग-अलग वर्णित हैं। माकपा ने कहा, राष्ट्रपति संसद का सत्र बुलाते हैं।

भाजपा का पलटवार: चीन को लेकर सेना के बयान पर कांग्रेस को भरोसा है या नहीं

■ नई दिल्ली

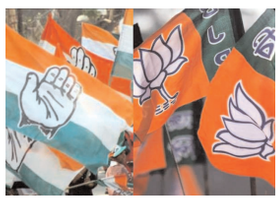

भाजपा ने कथित चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार की आलोचना के लिए सोमवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि क्या विपक्षी दल को सेना के बयान पर विश्वास नहीं है। कांग्रेस ने भारतीय क्षेत्र में चीनी घुसपैठ बढ़ने की बात करते हुए इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया है। प्रतिक्रिया में भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने भी सीडीएस बिपिन रावत द्वारा ऐसे दावों को खारिज किए जाने का जिक्र किया है। त्रिवेदी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि उसे भारतीय सेना पर भरोसा है या नहीं, उसे भारतीय सेना प्रमुख के जवाब पर भरोसा है या नहीं? या आप उनके बयान पर राजनीति करना चाहते हैं। राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारतीय क्षेत्र में बढ़ती चीनी घुसपैठ और इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी देश के लिए बहुत नुकसानदायक हैं। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने एक अलग पत्रकार वार्ता में कहा था कि प्रधानमंत्री को भारत में कथित चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर देश को विश्वास में लेना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता के विषयों पर ध्यान देने को कहा। सरकार पर निशाना साधने के लिए गोगोई द्वारा एक लोकप्रिय फिल्म के नाम के संक्षिप्त रूप डीडीएलजे पर प्रतिक्रिया में एक अन्य प्रसिद्ध फिल्म के संक्षिप्त नाम क्यूएसक्यूटी का जिक्र किया और कहा कि यह विपक्षी दल के भीतर के हालात को बिल्कुल सही तरीके से बयां करता है।

जनसंख्या मामले में सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए

■ नई दिल्ली

भाजपा ने सोमवार को कहा कि राजनीतिक दलों को जनसंख्या वृद्धि के मुद्दे पर सही कदम उठाने के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए क्योंकि इससे सभी का भविष्य जुड़ा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के इस अनुमान के बाद कि भारत, चीन को पीछे छोड़कर अगले साल दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि यह मुद्दा केवल उनकी पार्टी का नहीं है, बल्कि भारत के हर जागरूक नागरिक का है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, निश्चित रूप से आम आदमी से लेकर राजनीतिक दलों तक, जिन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए, सभी को इस मुद्दे पर सही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। त्रिवेदी ने हालांकि जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए कुछ समूहों द्वारा कानून बनाने के लिए की जा रही मांग का उल्लेख नहीं किया, लेकिन इस तरह के विधाई उपायों के मुखर समर्थक रहे पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक कड़े कानून का समर्थन किया। बढ़ती आबादी को दानवै देश को विश्व गुरु बनने से रोक रहा है।

गुजरात में बाढ़ जैसी स्थिति, मोदी ने मदद का भरोसा दिलाया

■ अहमदाबाद

अहमदाबाद समेत गुजरात के दक्षिण एवं मध्य भागों में स्थित विभिन्न जिलों के कई हिस्सों में पिछले 24 घंटे में भारी बारिश होने से निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है और वहां से करीब 6000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बातचीत की तथा उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। व्यापक वर्षा के कारण राज्य राजकीय मार्गों एवं पंचायत सड़कों समेत 388 रास्ते बंद हो गए थे जिन्हें यातायात के लिए खोलने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें कहा गया कि एनडीआरएफ की 13 टीम और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 16 टीम बचाव अभियान कार्य में जुटी हुई हैं। बयान के अनुसार 13 बांधों को हाई अलर्ट पर तथा आठ को अलर्ट पर रखा गया है क्योंकि भारी बारिश के कारण उनका जलस्तर बढ़ गया है। आईएमडी ने अगले पांच दिनों के दौरान दक्षिण गुजरात में छिटपुट स्थानों पर भारी बारिश तथा मध्य गुजरात एवं सौराष्ट्र में भी मूसलाधार बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है।

नेशनल हेराल्ड मामला

ईडी ने सोनिया गांधी से को 21 को बुलाया

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को अखबार नेशनल हेराल्ड से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए 21 जुलाई को एजेंसी के समक्ष पेश होने को कहा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। ईडी द्वारा सोनिया गांधी (75) को 23 जून के लिए दूसरा समन जारी किया गया था, लेकिन वह उस तारीख पर पेश नहीं हो सकीं, क्योंकि कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने के बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर पर आराम करने की सलाह दी थी।

अधिकारियों ने कहा कि गांधी ने समन को चार सप्ताह के लिए स्थगित करने का आग्रह किया था। कांग्रेस अध्यक्ष को पूर्व में 8 जून को पेशी के लिए नोटिस जारी किया गया था, लेकिन कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद उन्हें 23 जून के लिए समन जारी किया गया था। ईडी ने सोनिया के बेटे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से इस मामले में पांच दिनों तक कई सत्र में 50 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी। यह जांच कांग्रेस द्वारा प्रवर्तित यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है, जो नेशनल हेराल्ड अखबार का मालिक है। सोनिया, राहुल से पूछताछ की कार्वाई पिछले साल के अंत में ईडी द्वारा पीएमएलए की आपराधिक धाराओं के तहत एक नया मामला दर्ज करने के बाद शुरू की गई।

दखल

सच्चाई की अनदेखी करना खतरनाक

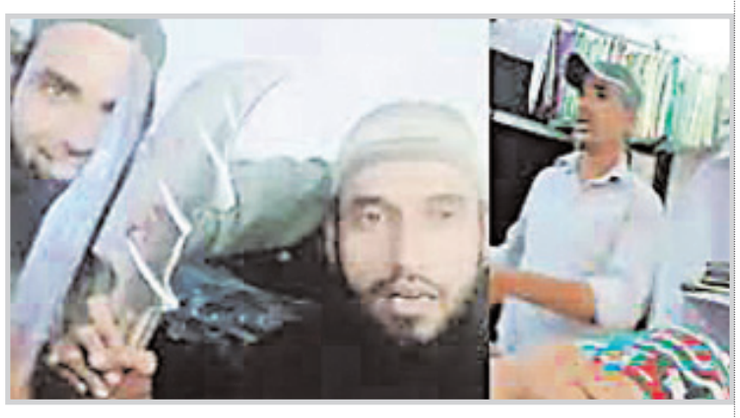

बिना किंतु परंतु के उदयपुर से लेकर अमरावती और अहमदाबाद की मजहबी हत्याओं की निंदा और विरोध की जगह संतुलित करने के लिए तथाकथित हिंदू कट्टरवाद शब्द प्रयोग करने वाले नहीं जानते कि वे प्रकारांतर से इनको न्यायसंगत ठहरा रहे हैं। राजनीति अपनी जगह है। दलीय राजनीति में हम एक दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, पर सच को सच के रूप में स्वीकार करना ही रास्ता है जिससे मजहबी कट्टरता का दमन कर पाएंगे।

देश की कुछ तस्वीरें वाकई डरा रहीं हैं। उदयपुर से लेकर अमरावती की घटनाओं ने इस बात की फिर से पुष्टि की है कि भारत में मजहबी जिहादी कट्टरता जड़ें जमा चुकी हैं। मजहबी कट्टरता का यह अर्थ नहीं कि भारत के सारे मुसलमान ऐसे हो गए हैं। अमरावती में दवा विक्रेता उमेश कोल्हे ने फेसबुक पर नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट लिखी थी, जिसकी स्क्रीनशॉट कुछ ग्रुप में वायरल करके उनको गुस्ताख ए रसूल साबित किया गया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी गई। हत्या के आरोप में अभी तक गिरफ्तार मुदस्सिर अहमद, शाहरुख पठान, अब्दुल तौफिक, शोएब खान और आतिब रशीद के चेहरे पर शिकन तक नहीं थी। कुछ लोग अभी इसे अपवाद घटना बता रहे हैं। हमारे देश की स्मृति कुछ मायनों में अत्यंत कमजोर हो जाती है। इसी वर्ष 25 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद के धंधुका में 27 साल के किशन भारवाड़ की भी हत्या इसी श्रेणी की थी। किशन ने 6 जनवरी को एक वीडियो पोस्ट किया जिसे कुछ ही घंटे में वायरल कर दिया गया और भारी बवंडर मच गया।

ईशनिंदा का आरोप लगाते हुए मुस्लिम समुदाय के लोगों ने उसके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की, वह गिरफ्तार भी हुआ और जमानत पर छूटकर आया। छुटकर आने पर उसकी पिटाई की गई। उसने दोनों हाथ जोड़कर माफी मांगी और कहा जिंदगी में दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी। बावजूद उसके परिवार को धमकियां मिलती रही। उसे घर से बाहर छुपा कर रखा गया। उसकी पत्नी ने एक बच्ची को जन्म दिया जिसे देखने के लिए वह चुपचाप मोटरसाइकिल से घर आ रहा था। रास्ते में दो लोगों ने उस पर गोलियां बरसा दी और वह चल बसा। जाहिर है, लंबे समय से कत्ल करने वाले घात लगाए हुए उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे। इस तरह की मानसिकता कहां से पैदा होती है? इस मामले में दिल्ली के दरियागंज से भी मौलाना कमर गनी उस्मानी को गिरफ्तार किया गया था। पता नहीं इस तरह की और भी हत्याएं देश के अन्यत्र हुए होंगे लेकिन वे इस रूप में शायद सुर्खियों में नहीं आए। इन मामलों का जो सबसे डरावना पहलू है उसकी ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। कत्ल की निंदा सभी कर रहे हैं लेकिन एक बड़ा वर्ग उसमें भी किंतु परंतु लगा रहा है।

हिंदू कट्टरवाद की बात उठाई जा रही है। कहा जा रहा है कि भाजपा और संघ ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है। दुर्भाग्य से राजनीतिक दल सच को शायद न समझने के कारण भाजपा और संघ विरोध में जिस तरह के की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं उनसे समर्थन हो जाता है। उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीशों द्वारा नूपुर शर्मा की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई टिप्पणियां किस तरह उद्धृत की जा रही हैं यह सामने है। माननीय उच्चतम न्यायालय पर सामान्यता कोई टिप्पणी नहीं की जाति। हालांकि उच्चतम न्यायालय स्वयं कह चुका है कि आप हमारे फैसलों की समीक्षा कर सकते हैं, उसकी आलोचना भी कर सकते हैं लेकिन हमारे इरादे पर प्रश्न उठाएंगे तब गलत होगा। उच्चतम न्यायालय पहले भी पुनर्विचार याचिका में अपने फैसलों के साथ-साथ अनेक टिप्पणियों को वापस ले चुका है। ये टिप्पणियां न्यायालय के फैसले की नहीं कार्यवाही की है। किंतु इसके आधार पर जो यह बता रहे हैं कि सब कुछ नूपुर शर्मा द्वारा टीवी डिबेट में बोली गई एक पंक्ति के कारण हो गया तो जाहिर है , उनका इरादा न सच्चाई को समझना है और न आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए काम करना है।

25 जनवरी को अमदाबाद में किशन भारवाड़ की हत्या के समय तो नूपुर शर्मा के टीवी डिबेट का मामला नहीं आया था। अलग-अलग रूपों में इस तरह की हत्याओं या हत्या की कोशिशों, हमलों या अन्य प्रकार की वारदातें काफी समय से हो रही हैं। इन लोगों से पूछना चाहिए कि पाक, अफगानिस्तान, सीरिया, इराक एवं लीबिया आदि जगहों में तो भाजपा-संघ नहीं है फिर वहां क्यों इस ढंग से हत्याएं हो रही हैं? आईएस पकड़ने के बाद गोली मारने की जगह चाकू से गला रेतने या जिबह करने वाला ही वीडियो जारी क्यों करता था? अजीब तर्क दिए जा रहे हैं। कोई कहेगा कि हाल के धर्म संसद में क्या बयान दिए गए तो कोई गोडसे के महिमामंडन की बात उठाएगा। ये लोग इस बात को नहीं कहेंगे कि स्वयं संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले कुछ समय में आयोजित धर्म संसदों के अंदर कुछ वक्ताओं के वक्तव्यों के बारे में स्पष्ट बयान दिया कि इससे हिंदुत्व की क्षति होती है और यह किसी भी दृष्टि से हिंदुत्व नहीं है।

इस कारण उनको व्यापक आलोचना भी झेलनी पड़ी है। दूसरे, धर्म संसद में बयान देने वाले कालीचरण से लेकर यतिनरसिंहानंद गिरफ्तार हुए और उन पर मुकदमे चल रहे हैं। दूसरे तथ्य को उद्धृत किए बिना केवल पहली बात बोलते जाने वाले कितने गंभीर और ईमानदार हैं यह बताने की आवश्यकता नहीं है। हमारा मानना है कि हम किसी के मजहबी व्यवहार की आलोचना कर सकते हैं लेकिन जब मुसलमान पैगंबर साहब या अपने मजहब के बारे में किसी तरह के प्रश्न उठाने को गुस्ताखी मानते हैं तो उससे बचना चाहिए। ऐतिहासिक सच होते हुए भी कई प्रसंगों को बोलने से परहेज करना आवश्यक है। इस नाते नूपुर शर्मा ने प्रश्नात्मक लहजे में ही जो कुछ कहा उसका समर्थन नहीं हो सकता। सत्तारूढ़ पार्टी के प्रवक्ता होने के नाते आप की जिम्मेदारी ज्यादा है। हालांकि उसके माफी मांगने के बाद कायदे से विषय खत्म हो जाना चाहिए था। उसी टीवी डिबेट में एक मुस्लिम नेता ने भगवान शिव के लिए जितनी गंदी भाषा का प्रयोग किया वह भी तो गुस्ताखी ही थी। उसकी कोई चर्चा नहीं कर रहा। हिंदू और मुसलमानों की कट्टरता की एक साथ आलोचना करने की बात करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि हिंदुओं ने कब कहा कि भगवान शिव की आलोचना करने वाले का सिर तन से जुदा कर दिया जाए? क्या किसी हिंदू धर्मगुरु ने मौत के घाट उतारने का ऐलान किया? सच तो यह है कि ऐसा करने की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

बिना किंतु परंतु के उदयपुर से लेकर अमरावती और अहमदाबाद की मजहबी हत्याओं की निंदा और विरोध की जगह संतुलित करने के लिए तथाकथित हिंदू कट्टरवाद शब्द प्रयोग करने वाले नहीं जानते कि वे प्रकारांतर से इनको न्यायसंगत ठहरा रहे हैं। ध्यान रखिए, हत्या के पहले देश के कई स्थानों पर जुलूस निकाले गए जिनमें न केवल गुस्ताख ए रसूल की एक ही सजा सर तन से जुदा सर तन से जुदा नारे लग रहे थे बल्कि बैनरों पर भी यही लिखा हुआ था। तब एक भी मुस्लिम धर्मगुरु या नेता ने इसका विरोध नहीं किया। इन नारों और बयानों को गलत न कहने वालों के द्वारा हत्या की निंदा विरोध के मायने क्या है? सक्रिय मौलवियों और मुस्लिम नेताओं को पता है कि पाकिस्तान में स्थापित दावत ए इस्लामी संगठन के दो नारे हैं। एक, लब्बेक या रसूलअल्लाह यानी या रसूलल्लाह हम हाजिर हैं। दूसरा, गुस्ताख ए रसूल की एक ही सजा सर तन से जुदा सर तन से जुदा।

जिनको यह सच पता नहीं उन्हें जरूर एनआईए की जांच के बाद इस संगठन का नाम आने से हैरत हो रही हो किंतु यह भारत में लंबे समय से कार्यरत है और मुस्लिम समुदाय के लोगों को पता है। साफ है कि इस सच को जानने-समझने और इसके अनुसार घटनाओं पर अपना मत बनाया होगा। जब आप इनके अनुसार मत बनाएंगे तभी तय कर पाएंगे कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए हमें क्या करना चाहिए। देश हम सबका है। राजनीति अपनी जगह है। दलीय राजनीति में हम एक दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, पर सच को सच के रूप में स्वीकार करना ही एकमात्र रास्ता है जिसके द्वारा हम इस तरह की मजहबी कट्टरता का दमन कर पाएंगे। वरना ऐसा ही चलता रहेगा, जैसा है।

अवधेश कुमार
(वरिष्ठ पत्रकार)

माल्या को कोर्ट ने दिया झटका

सुप्रीम कोर्ट ने विजय माल्या को अवमानना मामले में चार माह की सजा सुनाई है। दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न चुकाने पर दो महीने की अतिरिक्त कैद की सजा होगी। यह माल्या के लिए बड़ा झटका जरूर है, मगर सवाल भी कई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने भगोड़े व्यवसायी विजय माल्या को अवमानना मामले में चार महीने की सजा सुनाई है। इसके साथ दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने जुर्माना न चुकाने पर दो महीने की अतिरिक्त कैद की सजा भी सुनाई है। इसके अलावा विदेश में ट्रांसफर किए गए 40 मिलियन डॉलर चार हफ्ते में चुकाने के लिए भी कहा। शीर्ष अदालत ने माल्या को अदालत के आदेश का उल्लंघन करते हुए अपने बच्चों को चार करोड़ डॉलर हस्तांतरित करने के लिए अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया था। माल्या को संपत्ति का सही ब्यौरा न देने के लिए वर्ष 2017 में अदालत के आदेशों की अवहेलना का दोषी माना गया था। कोर्ट के इस फैसले पर माल्या की ओर से दाखिल पुनर्विचार याचिका भी सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है। बता दें कि माल्या भारत का वांछित भगोड़ा है। वह मार्च 2016 में देश छोड़कर ब्रिटेन भाग गया था। माल्या के उपर भारत में 9,000 करोड़ रुपए के कर्ज की हेराफेरी और धनशोधन का मामला दर्ज है।

माल्या को यह कर्ज किंगफिशयर एयरलाइंस को कई बैंकों ने दिए थे। 65 साल का माल्या ब्रिटेन में फिलहाल जमानत पर है। माल्या के प्रत्यर्पण के लिए भारत सरकार 2016 से ही कोशिश कर रही है। अब सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया उससे भारत में उन लोगों ने राहत की सांस ली होगी, जिन्होंने शराब कारोबारी विजय माल्या को कर्ज दे रखा है, पर वसूली में नाकाम रहे हैं। भारत सरकार उसका प्रत्यर्पण चाहती है, पर वह भारतीय एजेंसियों की ओर से दाखिल प्रत्यर्पण की अर्जी का विरोध करता रहा है। सरकार और कोर्ट विजय माल्या को भारत लाने के भरसक प्रयास में जुटे जरूर हैं, मगर माल्या या फिर उसके जैसों के लिए मशक्कत करने का मौका बैंक ही देते हैं। विजय माल्या, नीरव मोदी, मेहुल चौकसी और न जाने ऐसे कितने बकायेदार हैं जो देश का पैसा डकार कर विदेशों में जा बैठे हैं। दो-चार लाख रुपए का कर्ज देते समय भी बैंक काफी सावधानी बरतते हैं, हर स्तर पर छानबीन करते हैं, बकाया वसूलने के लिए कुर्की-जब्ती तक सारे अधिकार इस्तेमाल करते हैं।

मगर सैकड़ों और हजारों करोड़ के बकाएदारों का कुछ नहीं बिगड़ता। वे लिए हुए कर्ज के 'पुनर्गठन' की मांग करते हैं और अकसर यह मांग मंजूर कर उन्हें भारी छूट भी दे दी जाती है। यही नहीं, कई बड़े-बड़े बकायों की कभी वसूली नहीं हो पाती और उन्हें बट्टे खाते में डाल दिया जाता है। इससे बैंकों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है, उनकी कारोबारी क्षमता घट जाती है। फिर, बैंकों को सहारा देने के लिए सरकारी खजाने से यानी जनता के पैसे से हजारों करोड़ रुपए का पैकेज मंजूर किया जाता है। इसलिए बात माल्या तक सीमित नहीं है। आज एनपीए के रिकार्ड स्तर तक पहुंच जाने के दोषी और भी हैं। अगर इस प्रवृत्ति पर रोक लगा दी जाए तो भविष्य में नया विजय माल्या पैदा होने पर रोक लगाई जा सकती है।

हीरोइनों का प्रेग्नेंट होना सुर्खी क्यों

आजकल फिल्मीं खबरों में रुचि रखने वाले पाठकों को फिल्मों की जानकारियों के अलावा ये सुर्खियां भी पढ़ने को मिलने लगी कि कौन सी हीरोइन कब, किससे शादी कर रही है और वो कब प्रेग्नेंट हुई! किसी हीरोइन का प्रेग्नेंट होना वास्तव में पाठकों की रुचि में शामिल नहीं होता, पर उनके सामने ये सब परोसा जाने लगा है! हीरोइनें फोटो शूट करवाकर उसे इस तरह ग्लैमराइज करने लगी, जैसे ये उनकी किसी काबलियत का हिस्सा हो! इसके पीछे वजह चाहे जो बताई जाए, मगर ये एक पूरे प्रचार तंत्र का मसालेदार फार्मूला है, जिसे अब सुर्खियों की तरह मीडिया में परोसा जाने लगा! क्या ये प्रतिद्वंदिता है या कुछ और! आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी को अभी ज्यादा दिन नहीं हुए जब बॉलीवुड में उनकी शादी की धूम मची थी! दोनों बॉलीवुड के प्रतिष्ठित परिवार से हैं, इसलिए शादी भी उसी शालीनता से हुई! शोर-शराबा नहीं हुआ, जैसा अमूमन ऐसी शादियों के समय होता है या किया जाता है। लेकिन, शादी का शोर थमा भी नहीं था कि आलिया के प्रेग्नेंट होने की खबर सामने आई!

देखा जाए तो ये जीवन की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। शादी हुई तो परिवार बढ़ेगा! लेकिन, बॉलीवुड में इसे प्रचारित करने की नई परंपरा शुरू हो गई! आलिया ही नहीं पिछले कुछ सालों में हर हीरोइन प्रेग्नेंसी को ग्लैमराइज करने लगी है। लगता है प्रेग्नेंसी के जरिए खुद को खबरों में बनाए रखने का हीरोइनों को एक नया बहाना मिल गया। फिल्मी दुनिया का ट्रेंड है कि जैसे भी हो, अपने आपको मीडिया में बनाए रखा जाए! क्योंकि, ये दुनिया पूरी तरह चर्चाओं के नींव पर टिकी है। जो हीरो या फिर हीरोइन खुद को जितना चर्चा में बनाए रखेगा, उसकी दुकान उतनी अच्छी चलेगी! फिर वो चर्चा सकारात्मक हो अथवा नकारात्मक उससे फर्क नहीं पड़ता! कभी अफेयर के मनगढ़ंत किस्सों से खबरों में बने रहा जाता है, फिर शादियों के बहाने और अब हीरोइन की प्रेग्नेंसी को ग्लैमराइज करना नया शिगूफा बन गया। जबकि, वास्तव में दर्शकों को इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ता!

अब वह दौर भी नहीं रहा कि किसी हीरोइन के प्रति दर्शकों को इस हद तक लगाव हो! फिर क्या कारण है कि बड़ी से लगाकर छोटी-छोटी हीरोइन भी अपनी प्रेग्नेंसी को किसी उपलब्धि की तरह प्रचारित करने की कोशिश में रहती हैं। बात सिर्फ आलिया भट्ट तक ही सीमित नहीं है! इससे पहले अनुष्का शर्मा, करीना कपूर, सोनम कपूर, दीया मिर्जा, प्रियंका चोपड़ा, मीरा राजपूत, नेहा धूपिया समेत कई हीरोइनें ऐसे मामलों में अपने आपको प्रचारित कर चुकी हैं! जबकि, नेहा धूपिया इतनी चर्चित एक्ट्रेस नहीं हैं कि उनके प्रेग्नेंट होने की खबर सुर्खियां बनेगी, पर ये सब हो रहा है। मीरा राजपूत कोई हीरोइन नहीं हैं। उनकी पहचान शाहिद कपूर की पत्नी तक ही सीमित है, पर उन्होंने भी अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी को सुर्खी बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी! जबकि, हिंदुस्तानी परंपरा में ऐसी बातों को कई तक दिनों तक छुपाया जाता है। घरों की बड़ी-बूढ़ी महिलाओं का कहना था कि ये औरत का दूसरा जन्म होने जैसी घटना है, इस तरह की बातें सबके सामने नहीं की जाती! क्योंकि, जमाने की नजर लग जाती है! ये बात कितनी सच है, ये तो नहीं कहा जा सकता, पर सामान्य तौर पर इसे बताने से बचा जाता है।

वर्तमान दौर पर नजर डालें तो बेबी बम्प के साथ फोटोशूट कराना या अपनी प्रेग्नेंसी की खबरों को सुर्खियां बनाना आज फैशन बन गया है और यह हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक की हीरोइनों के लिए फोटोशूट कमाई का जरिया भी बन गया है, लेकिन यह सामाजिक रूप से शुभ संकेत नहीं। आखिर छिपाने की चीज भी दिखाई जाने लगी। फिर यह समाज किस ओर जाएगा। इसे हमें समझना होगा।

पर, फिल्मी दुनिया में ऐसी खबरों के लिए अस्पताल से घर आने का भी इंतजार नहीं किया जाता। आलिया भट्ट के बारे में जब ये चर्चा सामने आई तो साथ में अस्पताल का सोनोग्राफी कराते हुए ही फोटो चस्पा था। लेकिन, इससे उन्हें क्या हासिल हुआ, शायद खुद भी नहीं जानती! अपनी प्रेग्नेंसी की बात मीडिया में लाने तक ही यह मसला सीमित नहीं है! हीरोइनें इस अवस्था के फोटो शूट करवाकर उसे फिल्मी पत्रिकाओं में फिल्मों के पोस्टर की तरह भी छपवाने लगी। फोटो में उनके पति और परिवार भी शामिल होते हैं, जैसे कोई अजूबा काम हुआ हो! दरअसल, ये सब सहज और स्वाभाविक बात नहीं है कि अपनी खुशियों में सबको हिस्सेदार बनाया जाए! वास्तव में ये पब्लिसिटी की अंधी दौड़ का एक ऐसा हिस्सा है, जिसके पीछे एक पूरा तंत्र काम कर रहा है। फिल्मी हस्तियों के साथ पब्लिसिटी सिस्टम काम करता है, जो उनकी हर गतिविधि में खबर ढूंढता है और उसे दुनिया के सामने लाता है ताकि उनका क्लाइंट चर्चा में बना रहे! ये सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। पीआर एजेंसियां, फिल्म पत्रकार, फिल्मी पत्रिकाएं, पेशेवर फोटोग्राफर और इस तरह के कई लोग इसमें लगे होते हैं और सबकुछ प्रोफेशनली मैनेज किया जाता है।

पेरेंट्स बनना जीवन का एक बहुत अनोखा और अच्छा अनुभव होता है। परदे पर पेरेंट्स का किरदार निभाने और असल जिंदगी में पेरेंट्स बनने में बहुत फर्क है। लेकिन, क्या यह जरूरी है कि जीवन के इस बदलाव को सबके साथ शेयर किया जाए। सोनम कपूर की गिनती भी बड़ी एक्ट्रेस में नहीं होती। उन्हें आज भी अनिल कपूर की बेटी की तरह याद किया जाता है। लेकिन, जब वे प्रेग्नेंट हुई, तो अखबारों और फिल्मी पत्रिकाओं के पन्नों का हिस्सा बन गई! बेबी बंप पर हाथ रखे फोटो दिखाई दिए! यही स्थिति नेहा धूपिया, कोंकणा सेन शर्मा और दीया मिर्जा की भी है। इन्हें इनके फिल्म करियर के लिए तो कम ही पहचाना जाता है, पर ऐसी गैर-फिल्मीं खबरों से वे अपने आपको चर्चा में बनाए रखने की कोशिश जरूर करती रहती हैं। याद किया जाए तो 80-90 के दशक से पहले की हीरोइन के बारे में कभी ऐसी कोई बात सामने नहीं आई! वैजयंती माला, आशा पारेख, वहीदा रहमान के कितने बच्चे हैं, क्या ये बात किसी को आज भी पता है! माधुरी दीक्षित के दो बेटे हैं, ये बात उनके अमेरिका से इंडिया आने से पहले किसको पता था!

जूही चावला, खीना टंडन और श्रीदेवी ने कब किसी को अपने प्रेग्नेंट होने की सूचना दी और प्रेग्नेंसी के फोटो छपवाए! इसलिए कि तब किसी हीरोइन को अपनी फिल्मों के अलावा निजी जिंदगी को प्रचारित करने की जरूरत नहीं थी! जबकि, आज प्रतिद्वंदिता के साथ असुरक्षा की भावना भी हीरोइनों को परेशान करने लगी है। उन्हें लगता है कि यदि साल-डेढ़ साल वे सुर्खियों में नहीं रहीं तो अभिनय की दौड़ से उन्हें बाहर कर दिया जाएगा! लेकिन, इसके साथ प्रचार तंत्र का एक पूरा बाजार खड़ा हो गया! देखना है कि ये बाजार कब तक जिंदा रहता है! वैसे जब पहली बार साल 1991 में हॉलीवुड अभिनेत्री डेमी मूर ने मशहूर मैगजीन वैनिटी फेयर के कवर पेज के लिए बेबी बम्प के साथ निर्वस्त्र फोटोशूट करवाया तो दुनिया मे यह चर्चा का विषय बन गया था। बेशक यह किसी अभिनेत्री का बेबी बंप के साथ निर्वस्त्र पहला फोटोशूट था।

लेकिन वर्तमान दौर पर हम नजर डालें तो आज यह फैशन बन गया है और यह हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक की हीरोइनों के लिए फोटोशूट कमाई का जरिया भी बन गया है, लेकिन यह सामाजिक रूप से शुभ संकेत नहीं। आखिर छिपाने की चीज भी दिखाई जाने लगी। फिर यह समाज किस ओर जाएगा। हम-आप सहज समझ सकते हैं। मातृत्व सुख समाज के लिए हमेशा से नितांत व्यक्तिगत माना गया है। आज भी सामान्य परिवारों की बेटी या बहू अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सतर्क रहती है, उसका ढिंढोरा नहीं पीटती। हम भी महिला का पूरा सम्मान करते हुए उसके मातृत्व सुख में बाधा नहीं खड़ी करते। फिर बॉलीवुड से जिस तरह की तस्वीरें सामने आने लगी हैं, उनका संदेश दूसरे समाजों में क्या जाएगा, इसका अनुमान लगाना होगा।

सोनम लववंशी
(स्वतंत्र पत्रकार)

धार्मिक मुद्दों का बाजार गर्म

मनुष्य के कल्याण भाव से सत्य पर आधारित किया गया व्यवहार धर्म है। धारणाद्धर्म इत्याहुर्धर्मो धारयति प्रजाः अर्थात् जिन शाश्वत सत्य नियमों को हम धारण करते हैं, उन्हें धर्म कहा गया है। धर्म से ही प्रजा की धारणा होती है। एक मनुष्य दूसरे मनुष्य के साथ ऐसा व्यवहार करे, जिससे सब का कल्याण हो, समाज के रूप में स्वाभाविक विकास क्रम चलता रहे, सहिष्णुता एवं विश्वबंधुत्व का भाव जगाना ही धर्म है। जब इससे अनैतिक व्यवहार किया जाए, किसी की भावना आहत हो और लगातार ये प्रयास चलता रहें, तो ऐसे मसलों पर सेंसरशिप लगा देना चाहिए। हाल ही में डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'काली' का पोस्टर सुर्खियों में है। जिसको लेकर बयानबाजी चल रही है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार और दिल्ली में हिंदू देवी-देवताओं का कथित तौर पर अपमानजनक चित्रण किए जाने को लेकर धार्मिक माहौल गर्म है। दो जुलाई को ट्विटर पर काली फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ, डाक्यूमेंट्री फिल्म के पोस्टर में काली जी को सिगरेट पीते हुए दिखाए जाने के बाद इसका विरोध किया जाने लगा। धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले पोस्ट पर रोक लगाने के लिए केंद सरकार को पत्र लिखा गया। फिल्मकार लीना मणिमेकलाई के उस ट्वीट को हटा दिया गया। लेकिन, काली का पोस्टर अब भी सोशल मीडिया पर घूम रहा है। ऐसा नहीं है कि यह विवाद पहली बार उठा है, पहले भी इस तरह के मामले सामने आ चुके है। अब चिंता इस बात पर गंभीर है कि लगातार धर्म के इर्दगिर्द ही सब क्यों चल रहा है? चुनाव से लेकर अब फिल्मों में भी धर्म को ही टारगेट क्यों किया जा रहा है? क्या धर्म के सिवा अब इस देश में कोई दूसरा मुद्दा नहीं बचा? या ऐसे मसले को जानबूझकर उछाला जाता है। वैसे हमारे देश में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर सबके अपने-अपने मत है और यही मतांतर कई बार विवादों को जन्म देता है। आज ऐसा लगता है कि बाकी मुद्दों से इतर इस पर बहस की सबसे अधिक जरूरत है कि आखिर क्या होती है अभिव्यक्ति की आजादी? क्या है इसकी सीमा? लीना मणिमेकलाई के पहले मुनव्वर फारूकी को भी याद कीजिए। उनसे भी पहले एमएफ हुसैन ने भी हिंदू देवी-देवताओं को ही टारगेट किया। ऐसे में सवाल यही कि धार्मिक मसलों पर भी एक ही धर्म को अक्सर मुद्दे क्यों बनाया जाता है? फिल्मों में कमाई का एक एंगल हो सकता, लेकिन हर बार इतनी सी बात हो। यह कहना उचित नहीं! अभी कुछ समय पहले ही, जम्मू कश्मीर के कश्मीरी पंडितों पर हुए अत्याचार को लेकर द कश्मीर फाइल्स आई थी। जिसको लेकर शुरू से अंत तक काफी विवाद हुआ। 12 करो? की लागत से बने इस फिल्म में गतिरोध के बाद भी 251 करोड़ से अधिक की कमाई हुई। कई राज्यों में इस फिल्म को टैक्स फ्री भी किया गया। इससे पहले आमिर खान की फिल्म पीके, अक्षय कुमार की फिल्म लक्ष्मी, वेब सीरीज ए सूटेबल बॉय, सलमान खान की दबंग 3, सारा अली खान की केदारनाथ, अक्षय कुमार और परेश रावल की फिल्म ओह माई गॉड धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने के लिए विवादों में रही है। धार्मिक मुद्दों को ढाल बना कर सामाजिक कुठाराघात न हो। ऐसे मसलों को अलग रख कर जनहित पर चर्चा हो। धर्म को बाजार न बनाया जाए, आज इसकी जरूरत है। लेकिन सियासतदां भी ध्रुवीकरण की राजनीति में विश्वास करते हैं। ऐसे में अब जनता को यह तय करना है कि उन्हें बेफिजूल के मुद्दे में उलझे रहना है या देश और समाज की बात करने वालों को तरजीह देना है।

कृष्ण कान्त शुक्ल
(स्वतंत्र टिप्पणीकार)

उल्लउ सलोन के, भ्रष्ट डॉक्टरों के करतूतों की निष्पक्ष जांच को लेकर संगठन ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

अमर ख्याल / संवाददाता नरेंद्र सिंह

रायबरेली जनपद में बीते दिनों पत्रकारों पर डॉक्टर द्वारा किए गए जानलेवा हमले का मामला लगातार सुर्खियों में चल रहा है पत्रकारों के साथ आप संगठन के लोग भी एकजुट हो सभी एक स्वर में भ्रष्ट डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं दरअसल बीती, 29 जून को सलोन सीएचसी के भ्रष्ट डॉक्टरों द्वारा सरकारी दवाओं की खबरें चलाने से खफा हो कवरेज करने गए पत्रकारों पर डॉक्टरों द्वारा सामूहिक रूप किए गए जानलेवा हमले के मामले में अब तक डॉक्टरों पर प्रभावी कार्यवाही ना होने को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद पदाधिकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी को ज्ञापन सौंपा गया जिला अध्यक्ष गजेंद्र शुक्ला ने कहा कि डॉक्टरों द्वारा पत्रकारों के साथ मारपीट व लूट के बावजूद उल्टा पत्रकारों पर दर्ज कराए गए फर्जी मुकदमे की निष्पक्ष जांच की जाए सलोन सीएचसी का जो भी डॉक्टर दोषी हो उस पर सख्त कार्यवाही कि जाए जिस पर पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर प्रभावी कार्यवाही के जाने का आश्वासन दिया

परिवार नियोजन परामर्श दिवस के रूप में मना विश्व जनसंख्या दिवस

अमर ख्याल /संवाददाता सोनी

रायबरेली,11 जुलाई 2022 विश्व जनसँख्या दिवस सोमवार को परिवार नियोजन परामर्श दिवस के रूप में मनाया गया। इसी क्रम में जिला महिला चिकित्सालय में गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव ने की` नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि परिवार की खुशहाली, शिक्षा, स्वास्थ्य और तरक्की तभी संभव है, जब परिवार सीमित होगा। विकास के उपलब्ध संसाधनों का समुचित वितरण और बढ़ती जनसँख्या दर के बीच संतुलन कायम करने के उद्देश्य से आज सबसे अधिक जरूरत जनसँख्या स्थिरीकरण की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस साल जनसंख्या दिवस ₹परिवार नियोजन का अपनाओ उपाय - लिखो तरक्की का नया अध्याय ₹ थीम के साथ मनाया गाय । उन्होंने कहा कि परिवार को सीमित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग के पास बास्केट ऑफ च्वाइस का विकल्प मौजूद है, जिसमें स्थायी और अस्थायी साधनों को शामिल किया गया है। इन अस्थायी साधनों में से अपनी पसंद का साधन चुनकर शादी के दो साल बाद ही बच्चे के जन्म की योजना बना सकते हैं। दो बच्चों के जन्म में कम से कम तीन साल का अंतर भी रख सकते हैं। दो बच्चों के जन्म में पर्याप्त अंतर रखना मां और बच्चे दोनों की बेहतर सेहत के लिए बहुत जरूरी है। जब परिवार पूरा हो जाए तो स्थायी साधन के रूप में नसबंदी का विकल्प चुन सकते हैं परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी ने डा.ए.के.चौधरी ने बताया कि परिवार नियोजन कार्यक्रमों में पुरुषों की सहभागिता को बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग ने एक नई पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी जिम्मेदारी समझनी चाहिए` समुदाय में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता लाने के लिए फ्रंट लाइन कार्यकर्ताओं के माध्यम से दो चरणों में परिवार नियोजन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके पहले चरण में 27 जून से 10 जुलाई तक दम्पति सम्पर्क पखवाड़ा मनाया गया, जिसके तहत लक्षित दम्पति को चिन्हित कर परिवार नियोजन साधनों को अपनाने के प्रति प्रेरित किया गया। अगले चरण जनसँख्या स्थिरता पखवाड़े की शुरूआत आज से हो रही है इसके तहत लक्षित दम्पति को सेवा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन के बारे में किशोर-किशोरियों को भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि भविष्य में वह सही समय पर सही कदम उठाने के बारे में पूरी जानकारी हासिल कर सकें।

इस मौके पर जिला महिला चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डा. रेनू चौधरी, जिला पुरुष चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डा. महेंद्र मौर्य, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डीएस अस्थाना अनिल कुमार पांडे व अंजली, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक आर.पी.सिंह, जिला समुदाय प्रक्रिया प्रबंधक बृजेन्द्र शुक्ला, फॅमिली प्लानिंग लॉजिसस्टिक मैनेजर हिमांशु श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेश तकनीकि सहायक इकाई के जिला परिवार नियोजन विशेषज्ञ कमलेश उपस्थित रहे

रोडवेज की टक्कर से पत्नी की मौत पति गंभीर रूप से घायल

अमर ख्याल/ संवाददाता राजन

बछरावां रायबरेली / स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ प्रयाग राज मार्ग पर कन्ना वा गांव के पास रोडवेज बस की टक्कर से पत्नी की मौत पति गंभीर रूप से घायल जानकारी के मुताबिक बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत कनावा गांव के पास एक दंपत्ति सतीश कुमार पुत्र विजय बहादुर व उनकी पत्नी रूबी निवासी राजामऊ अपनी अपाचे बाइक से बछरावां से रायबरेली की ओर जा रहे थे

तभी रास्ते में पास लेने के चक्कर में रोडवेज बस संख्या यूपी 33 बीटी 0546 ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे मौके पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई वह पति गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों की सूचना द्वारा एंबुलेंस व पुलिस की मदद से घायल हो मदद को बछरावां सीएससी लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया

एवं पति का प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल के रेफर कर दिया वहीं परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है

अनवरत चल रहे रुद्राभिषेक के प्रति लोग जता रहे अपनी आस्था

अमर ख्याल /संवाददाता राजन

बछरावां रायबरेली स्थानीय विकास खंड के ग्राम शेखपुर समोदा में पूरी पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य श्री निश्चलानंद सरस्वती जी के सानिध्य में उनके परम शिष्य डॉ राजेश चैतन्य ब्रह्मचारी के निर्देशन में वाराणसी से आए हुए विद्वान आचार्यों के द्वारा कराए जा रहा रुद्राभिषेक के प्रति क्षेत्र के धर्म परायण के प्रति लोगों की आस्था दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है

इस कार्यक्रम में अब तक पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह,पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, शिक्षाविद भगवान कुमार अवस्थी, राम मंदिर के लिए पूर्ण समर्पित कार्यकर्ता डॉ महेंद्र अवस्थी, प्रधान संघ अध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी,डिग्री कॉलेज प्राचार्य डॉक्टर सुभाष चंद्र श्रीवास्तव लोकतंत्र शुक्ला, हरिओम मिश्रा सहित पचासों गणमान्य नागरिकों द्वारा भारतीय वेशभूषा में सहपत्नी पहुंचकर अजर अमर अविनाशी शिव का अभिषेक किया गया।

सेंट एंड्रयूज स्कूल के बच्चों ने किया वृक्षारोपण

अमर ख्याल। राहुल कुमार

बरेली। छात्रो ने शनिवार को वृक्षारोपण किया उन्होने स्कूल परिसर के चारों तरफ पौधे लगाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण व पौधे लगाने का संदेश दिया तथा शपथ ग्रहण कर कहा कि वे अपने घर के आस - पास तथा स्कूल के आस-पास प्रत्येक जगह वृक्षारोपण करेगे इस अवसर पर विद्यालय के निर्देशक मोहित चंद तथा प्रर्थान्नाचार्य डॉ अमित अलगजेंडर चरण ने बच्चों को बताया कि पर्यावरण संरक्षण लिए जसे जरूरी है कि अधिक से अधिक पौधे लगाये वृक्ष कम होने के कारण पर्यावरण में लगातार नुकसान हो रहा है। तथा ग्लोबल वार्मिंग की समस्या उत्पन्न हो रही है ऐसे मे प्रत्येक व्यक्ति को पौधा रोपण के लिए आगे आना चाहिए। जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्य जरूरत प्रमुख जल जंगल और जमीन तीनो उसके आधार है विकास के मौजूदा मॉडल की विफलता यह है कि जीवन के इन तीनो आधारों को प्रदूषण ने लील लिया है।

यही वजह है आज देश की आबादी का बड़ा हिस्सा स्वच्छ व सुरक्षित पानी शौचालय और शुद्ध हवा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से भी वांचते है। पर्यावरण पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है इस दिशा मे समाज का वृक्षारोपण करना आवश्यक इस अवसर पर स्कूल उपस्थित थे क

रामपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

गौकशी कर रहे पुलिस मुठभेड में चार अभियुक्त तमंचे व छुरी के साथ गिरफ्तार

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार शुक्ला द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर संसार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी स्वार के नेतृत्व में सोमवार को थाना टाण्डा, रामपुर पुलिस द्वारा सूचना मिली कि ग्राम खुशहालपुर मजरा मिलक दायमगंज में शेर मौहम्मद पुत्र आस मौहम्मद अपने घर में कुछ लोगों के साथ गौकशी कर रहा है। इस सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर जाकर देखा तो मकान के अंदर से मौजूद लोग अवैध कटान कर रहे थे। पुलिस टीम को देखकर अंदर के लोगों ने पुलिस टीम को जान से मारने की नियत से फायरिंग की गयी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की गयी जिसमें आबिद के पैर में गोली लग जाने के कारण घायल हो गया। थाना प्रभारी टांडा के पैर में छूरी लगने से चोटे आयी है। पुलिस टीम द्वारा मौके से चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा 02 अभियुक्त मौके से फरार हो गये।

घायल आबिद को उपचार कराया जा रहा है। मौके से 70 किलो प्रतिबन्धित का मास 02 छुरी 1 तमंचा 1 कारतूस नाल में फसा हुआ, 1 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। पूछताछ में बताया गया कि साहब जिसने आपके ऊपर छुरे से हमला किया है वह इस घर का मालिक शेर मौहम्मद तथा दूसरा भागने वाला हमारा साथी लईक अहमद है। हम सभी लोगों ने मिलकर मॉस बेचने के लिए गौकशी कर रहे थे।

मोटरसाइकिल फिसलने से एक महिला की मौत

अमर ख्याल /नाजिर खां

बदायूँ / कदारचौक- कादरगंज की तरफ से आ रही मोटरसाइकिल रोड पर बने दो ब्रेकरों से फिसल गई मोटरसाइकिल फिसल से मोटरसाइकिल पर बैठी महिला की रोड पर गिर कर मौके पर मौत हो गई आपको बता दें सतीश निवासी गांव दरियागंज जनपद कासगंज के रहने वाले हैं वह अपनी मां को मोटरसाइकिल से जनपद बदायूं के कस्बा कादरचौक आ रहे थे ग्राम कादरगंज की तरफ से सतीश अपनी मां को मोटरसाइकिल पर बैठाकर कस्बा कादरचौक किसी जरूरी काम से आ रहे थे

सांसद घनश्याम सिंह लोधी ईद मिलने नगर पालिका अध्यक्ष पति के घर पहुंचे

अमर ख़्याल। राहुल कुमार

रामपुर।टाण्डा/ सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष पति मकसूद लाला के निवास स्थान पर प्रथम बार नवनिर्वाचित सांसद घनश्याम सिंह लोधी मिलने उनके घर पहुंचे इस दौरान उनका फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया इस दौरान सांसद घनश्याम सिंह लोधी ने सभी को ईद उल अजहा की मुबारकबाद पेश की इस दौरान घनश्याम सिंह लोधी ने कहा मुझे सभी जाति बिरादरी ने वोट दिया है और अपना सांसद चुना है

मैं हर वक्त आपके सुख दुख में साथ खड़ा रहूंगा चाहे हिंदू हो या मुसलमान मैं सभी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा और विकास की गति को बढ़ाने का काम करूंगा। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाटू श्याम बाबा के दर्शन को पहुंचे भक्त रविवार को एकादशी पर किए दर्शन

अमर ख्याल। राहुल कुमार

रामपुर। रामपुर के ज्वालानगर क्षेत्र से रविवार सुबह आठ भक्तों की टोली राजस्थान राज्य के जिला सीकर के गांव खाटू के लिए रवाना हुई। खाटू में श्री श्याम मंदिर है।श्री श्याम बाबा दर्शन के लिए आठ भक्तों की टोली रविवार सुबह रवाना हुई। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान विशब सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया,कि श्री श्याम बाबा के दर्शन करने के लिए पिछले कई सालों से जा रहा हूँ। बिशब आगे बताते हैं कि श्याम बाबा ने रविवार को एकादशी पर हम सभी पर कृपा दृष्टि कर दी जो बुलाबा आ गया। कोशिश रहती है, कि बाबा के दर्शन करने जाते रहें। श्याम बाबा सभी की मनोकामना पूरी करते हैं। टोली के सभी भक्तों ने रविवार को मंदिर पहुंचकर श्री श्याम के दर्शन किए। इस दौरान विशव सक्सेना, अनूप अग्रवाल, सिद्धार्थ, गौरी शंकर मोहित, अंशु अग्रवाल, नरेंद् शिवम मौजूद रहे।

दीन शाह गौरा; शैलेश पांडे प्राथमिक शिक्षक संघ गौरा के ब्लॉक अध्यक्ष चुने गए

अमर ख्याल संवाददाता सोनी

रायबरेली जनपद

आज दिनांक 11/07/2022 को प्राथमिक शिक्षक संघ गौरा का त्रि वार्षिक निर्वाचन अधिवेशन कम अपोजिट विद्यालय सूरजपुर बना पार में जनपदीय निर्वाचन अधिकारी पर्यवेक्षक की देखरेख में संपन्न हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुओ अध्यक्ष पद के लिए शैलेश कुमार पांडे ने 5 सेटो में पर्चा दाखिल किया और किसी ने नामांकन नहीं किया निर्वाचन अधिकारी द्वारा शैलेश कुमार पांडे को ब्लॉक का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। अध्यक्ष द्वारा अखिलेश कुमार को ब्लॉक का मंत्री घोषित किया गया। और अरुणेंद्र सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दिलीप मिश्र को कोषाध्यक्ष, श्री राम को संयुक्त मंत्री, अनुराग द्विवेदी को मीडिया प्रभारी एवं श्री त्रिलोकी चरण सिंह को ब्लॉक का संरक्षक घोषित किया गया उपाध्यक्ष श्री श्याम सिंह, सुरेश सिंह, दिनेश मिश्रा ,मनीष दीक्षित, विमलेश त्रिवेदी, प्रमोद कुमार द्विवेदी को घोषित किया गया महिला उपाध्यक्ष श्रीमती पारुल दीक्षित को घोषित किया गया संगठन मंत्री राम अवध मौर्य, शंकरलाल, अभिषेक शुक्ला ,मंजुल त्रिवेदी संगीता सिंह, शिक्षिका शिखा मौर्य, राजकुमार सिंह, रविंद्र सिंह रोहित कुमार ,सर्वेंद्र सिंह, शीतला प्रसाद द्विवेदी, अंशुमान ,प्रशांत त्रिपाठी ,विजय बाजपेई, रेखा अंजनी, धीरेंद्र कुमार त्रिवेदी अनूप कुमार, राहुल कुमार यादव, अशोक कुमार मिश्र ,शैलेंद्र सिंह, सोनाली सिंह, सिद्धनाथ, डीके मौर्या, राधे निर्मल, प्रभात कुमार त्रिवेदी ,मानसिंह, बाबूलाल , सुशांत सिंह, संजू सोनी ,आशीष सिंह ,अजीत सिंह जिला अध्यक्ष शिक्षा मित्र संघ, चंद्रेश त्रिवेदी विवेक तिवारी आदि शिक्षक साथी मौजूद रहे इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारी श्री संजय सिंह अध्यक्ष जगतपुर श्री सतीश सिंह जिला उपाध्यक्ष पर्यवेक्षक श्री राजेश पांडे अध्यक्ष सलोन पर्यवेक्षक के रूप के रूप में मौजूद रहे इस मौके पर जिला अध्यक्ष श्री दिनेश बहादुर सिंह जिला मंत्री श्री मुकेश चंद्र ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राजेश शुक्ला, जिला संयुक्त मंत्री श्री चंद्रमणि वाजपेई, डलमऊ अध्यक्ष श्री यादवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे सभी पदाधिकारियों को अंग वस्त्र एवं पुष्प माला से सम्मानित किया गया इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक श्री उदय भान सिंह, सूर्यभान सिंह ,श्री मुस्ताक अली, श्री शिव प्रसाद यादव, राम विशाल त्रिवेदी को अंग वस्त्र एवं पुष्प माला से सम्मानित किया गया सभी पत्रकार साथियों में नीरज त्रिवेदी चंद्रेश त्रिवेदी आशीष सिंह को सम्मानित किया गया एवं ब्लॉक अध्यक्ष एवं मंत्री द्वारा विकास क्षेत्र के आए हुए समस्त शिक्षक साथियों शिक्षिका बहनों शिक्षामित्र अनुदेशक एवं सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया गया अध्यक्ष एवं मंत्री द्वारा आए सभी आगंतुकों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

अल्मा मातेर में बेब सीरीज यू कैन डू इट की शूटिंग

अमर ख्याल। राहुल कुमार

बरेली। अल्मा मातेर में जी.डी. प्रोडक्शन हॉउस के संरक्षण में निर्मित एक बेब सीरीज यू कैन डू इट की शूटिंग प्रारम्भ हुई। ये सीरीज एम.एक्स प्लेयर एप पर प्रसारित होगी। इस सीरीज के निमार्ता-निर्देशक श्री दीपक शर्मा है। इस सीरीज की शूटिंग के लिए अल्मा मातेर का चुनाव इस लिए किया गया है क्योंकि यहाँ विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए पढ़ाई के साथ साथ विभिन्न खेलकूद तैराकी आर्ट एंड क्राफ्ट, योग आदि गतिविधियों को भी सिखाया जाता है कहानी का मुख्य पात्र कक्षा 10 का एक विद्यार्थी है जिसका मन पढाई में न लग कर अन्य गतिविधियों मे लगता है। उनकी मानसिक दशा को समझाते हुए विद्यालय उसे सहयोग करता है और आगे जाकर वह पढाई पर ध्यान देने लगता है।

गुजरात पी सी एस कैडर में चयनित होने पर किया गया सम्मान

अमर ख्याल। अखिलेश कुमार

बिसौली(बदायूँ)क्षेत्र के ग्राम सर्वा निवासी विष्णु शर्मा के पुत्र सोनू शर्मा का गुजरात पी सी एस कैडर में चयनित होने पर अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा द्वारा हरि फार्म में एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अथिति पूर्व विधायक प0 प्रेम स्वरूप पाठक ने सोनू शर्मा के गुजरात पीसीएस में चयनित होने पर कहा कि सोनू शर्मा ने सर्वा ग्राम के साथ साथ बदायूँ जनपद के नाम रोशन किया हैं ।

इस अवसर पर सोनू शर्मा को पूर्व ब्लाक प्रमुख अमित पाठक₹बंटी भैया₹, वनवारी लाल पाठक , ब्राह्मण सभा के जिला अध्यक्ष राजेंद्र पाठक,शिवकुमार पाराशरी, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा अमिता उपाध्याय,जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा बबली शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा महिला प्रकोष्ठ महामंत्री (उत्तर प्रदेश)भाजपा महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष सविता शर्मा,नत्थू लाल शर्मा,अभीक्ष पाठक आशुतोष पाठक जय प्रकाश शर्मा,सुमित पाठक राजीव पाठक मुकेश शर्मा गोरी शर्मा राजीव पाठक,राजकुमार शर्मा,मुनीश पाराशरी अमित पाराशरी लिपिक आदि रहे।

संचालन सत्य नारायण शर्मा ने किया।

दहेज हत्या के चार वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

कौड़िया(गोण्डा) जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत वांछित अभियुक्तों की तत्काल प्रभाव से शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए,वही दूसरी तरफ थाना कौडिया के थाना अध्यक्ष मदन लाल ने पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन पर उक्त मामले में वांछित अभियुक्तों की तत्काल प्रभाव से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु टीम किया गठित। थाना कौड़िया पुलिस ने दहेज हत्या के 04 वांछित अभियुक्तों-01. ददनी उर्फ संकेत कुमार, 02.रक्षाराम तिवारी, 03. राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, 04. अमित कुमार तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्तो ने वादी गंगाराम शुक्ला की लड़की को दहेज की बात को लेकर प्रताड़ित करते हुए जान से मार दिया था जिसके सम्बन्ध में वादी द्वारा थाना कौड़िया में अभियोग पंजीकत कराया गया था। अभियुक्तगणों के विरूद्ध थाना कौड़िया पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार अभियुक्तगण 01. ददनी उर्फ संकेत पुत्र योगेन्दर नि0 बच्चा पुरवा मौजा पैड़ीबरा थाना कौड़िया जनपद गोण्डा।02. रक्षाराम तिवारी पुत्र कामेश्वर प्रसाद तिवारी नि0 बच्चा पुरवा मौजा पैड़ीबरा थाना कौड़िया जनपद गोण्डा।03. राजेन्द्र प्रसाद तिवारी पुत्र रक्षाराम तिवारी नि0 बच्चा पुरवा मौजा पैड़ीबरा थाना कौड़िया जनपद गोण्डा।04. अमित कुमार तिवारी पुत्र राजेन्द्र प्रसाद तिवारी नि0 बच्चा पुरवा मौजा पैड़ीबरा थाना कौड़िया जनपद गोण्डा।गिरफ्तार कर्ता उ0नि0 सुरेश कुमार सिंह मय टीम सहित मौजूद रहे।

जन-जन में फैलाएं एक विचार, छोटा परिवार - खुशियाँ अपार - प्रतीक भूषण सिंह

सभी आशा व एएनएम जनसंख्या वृद्धि पर लोगों को करें जागरूक-डीएम

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

गोण्डा। आज टाउनहाल आयोजित कार्यक्रम लगातार बढ़ती जनसंख्या एक तरह से विकास में बाधक है। समाज में व्याप्त गरीबी, भुखमरी, अशिक्षा और बेरोजगारी जैसी समस्याओं के पीछे काफी हद तक जनसंख्या वृद्धि जिम्मेदार है। इसलिए वर्तमान समय में परिवार नियोजन और जनसंख्या स्थिरीकरण की ओर ध्यान देना अत्यावश्यक है। ये उदगार गोंडा जनपद के सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने सोमवार को विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर गाँधी पार्क स्थित टॉउन हॉल में आयोजित सेमिनार का शुभारम्भ करने के दौरान व्यक्त किये। मुख्य अतिथि सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह के अलावा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 रश्मि वर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी परिवार कल्याण सेवाएं डॉ एपी सिंह, जिला चिकित्सालय की प्रमुख अधीक्षिका डॉ इन्दूबाला, जिला महिला चिकित्सालय अधीक्षिका डॉ सुषमा सिंह, एसएमओ डॉ विनय डांगे व एससीपीएम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज ऐंड हॉस्पिटल की सह संस्थापिका अल्का पाण्डेय समेत अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद सीएमओ व एसीएमओ आदि ने अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया। सदर विधायक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हर दिन तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या पर यदि समय रहते स्थिरीकरण नहीं हो सका, तो आने वाली पीढ़ी को भोजन, वस्त्र, आवास, स्वच्छ पेयजल आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित होना पड़ेगा। हमारे देश का विकास अत्यधिक जनसंख्या के आगे बौना पड़ जाता है। इन्हीं वक्तव्यों के साथ विधायक ने कार्यक्रम में उपस्थित एएनएम, आशा और आशा संगिनी कार्यकताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा पालन करें, आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएं और जन-जन में छोटा परिवार - खुशियाँ अपार का सन्देश फैलाएं।जनपद के तेजतर्रार जिलाधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार ने कहा कि परिवार की खुशहाली, शिक्षा, स्वास्थ्य और तरक्की तभी संभव है, जब परिवार सीमित होगा। विकास के उपलब्ध संसाधनों का समुचित वितरण और बढ़ती जनसँख्या दर के बीच संतुलन कायम करने के उद्देश्य से आज सबसे अधिक जरूरत जनसँख्या स्थिरीकरण की है।मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने अपने उद्बोधन में वर्तमान में बढ़ती आबादी के कारण होने वाले दुष्प्रभावों और इससे जुड़े सभी मुद्दों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित कर उन्हें जागरूक करना ही इस दिवस को मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य बताया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ परिवार को सीमित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग के पास बास्केट ऑफ च्वाइस का विकल्प मौजूद हैं, जिसमें स्थायी और अस्थायी साधनों को शामिल किया गया है। इन अस्थायी साधनों में से अपनी पसंद का साधन चुनकर शादी के दो साल बाद ही बच्चे के जन्म की योजना बना सकते हैं। दो बच्चों के जन्म में कम से कम तीन साल का अंतर भी रख सकते हैं। दो बच्चों के जन्म में पर्याप्त अंतर रखना मां और बच्चे दोनों की बेहतर सेहत के लिए बहुत जरूरी है। जब परिवार पूरा हो जाए तो स्थायी साधन के रूप में नसबंदी का विकल्प चुन सकते हैं।इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. एपी सिंह ने कहा कि समुदाय में परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता लाने के लिए फ्रंट लाइन कार्यकताओं के माध्यम से दो चरणों में परिवार नियोजन पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके पहले चरण में 27 जून से 10 जुलाई तक दम्पति सम्पर्क पखवाड़ा मनाया गया, जिसके तहत लक्षित दम्पति को चिन्हित कर परिवार नियोजन साधनों को अपनाने के प्रति प्रेरित किया गया। अगला चरण जनसँख्या स्थिरता पखवाड़ा का आज से शुरू हो रहा है जो 30 जुलाई तक चलेगा। इसके तहत लक्षित दम्पति को सेवा प्रदान की जाएगी।उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन के बारे में किशोर-किशोरियों को भी जागरूक करने की जरूरत है ताकि भविष्य में वह सही समय पर सही कदम उठाने के बारे में पूरी जानकारी हासिल कर सकें।कार्यक्रम का संचालन संचालन एसीएमओ डॉ0 एपी सिंह व मंथन संस्था के दीपक श्रीवास्तव ने किया। सेमिनार में डीपीएम अमरनाथ, डीसीपीएम डॉ0 आर.पी. सिंह, आर.के.एस.के के जिला समन्वयक रंजीत सिंह, डीईआईसी मैनेजर उमाशंकर वर्मा, जिला परिवार नियोजन एवं सामग्री प्रबंधक एस. लारी, डीएफपीएस राघवेन्द्र प्रताप पाण्डेय, शिवांशु मिश्रा व विजयकांत शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

जिला कारागार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

गोण्डा।उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ व माननीय जनपद न्यायाधीश रविन्द्र कुमार-। के निदेर्शानुसार जिला कारागार गोण्डा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन श्री विश्व जीत सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा की अध्यक्षता में किया गया।विधिक साक्षरता शिविर में सचिव श्री सिंह द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्तमान में न्याय सभी के लिए उपलब्ध है, न्याय पाने का सभी को समान अधिकार है। यदि कोई व्यक्ति अपना मामला न्यायालय में प्रस्तुत करना चाहता है अथवा उसका कोई प्रकरण न्यायालय में लम्बित है तो उस व्यक्ति की गरीबी न्याय दिलाने में रूकावट नही होगी।वर्तमान समय में तहसील स्तरीय न्यायालय से उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय तक न्याय दिलाये जाने हेतु विधिक सेवा समितियां, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समितियां कार्य कर रही हैं। कोई भी व्यक्ति जो अनुसूचित जाति या जनजाति का सदस्य है, मानव दुर्व्यवहार एवं बेगारी से पीड़ित है, स्त्री या बालक है, मानसिक रूप से अस्वस्थ अथवा असमर्थ है, जातीय हिंसा, अत्याचार, औद्योगिक कर्मकार आदि श्रेणी में आने वाले व्यक्ति हैं, तो निःशुल्क विधिक सहायता पाने के हकदार हैं। इसके लिए आवेदन जिले में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को करना पडेगा।

दूरस्थ ग्रामीण एवं दूरगामी क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्ति आनलाइन के माध्यम से विधिक सेवाओं की जानकारी तथा निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। विधिक साक्षरता शिविर में सचिव द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता के सन्दर्भ में सांविधानिक उपबन्ध, दण्ड प्रक्रिया संहिता में वर्णित उपबन्ध व माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये अद्यतन निर्णयों पर भी विस्तृत रूप से जानकारी दिया गया।इस अवसर पर जिला कारागार के डिप्टी जेलर हरी प्रसाद मिश्रा व विवेक कुमार सिंह सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सभी वृद्धा पेंशनर्स 31जुलाई तक कराएं अपना आधार प्रमाणीकरण,जिला समाज कल्याण अधिकारी

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

गोण्डा। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी ने बताया है कि जनपद के समस्त वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थी अपने आधार का प्रमाणीकरण वृद्धावस्था पेंशन वेबसाइट पर करवा लें। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अभी तक 125237 लाभार्थियों में से 54114 यानी 43.21 प्रतिशत लाभार्थियों ने ही आधार का प्रमाणीकरण कराया है। जिनका आधार का प्रमाणीकरण न होने पर उनकी पेंशन की धनराशि बाधित हो जायेगी।उन्होंने बताया है कि 11 जुलाई से 31 जुलाई तक ग्राम पंचायत सचिवालय , विकासखण्ड , नगर पंचायत व वार्डवार कैम्प लगाकर शतप्रतिशत आधार प्रमाणीकरण कराया जाएगा। जिसके लिए 11 जुलाई को समस्त खण्ड विकास अधिकारी , उपजिलाधिकारी तथा अधिशाषी अधिकारी को निर्देश जारी किया गया है कि निर्धारित समयान्तर्गत कैम्प का आयोजन कराकर शतप्रतिशत आधार का प्रमाणीकरण कराना सुनिश्चित करें जिससे कोई लाभार्थी पेंशन पाने से वंचित न रह सकें।

डीएम ने किया तहसील के अधिकारियों के लिए तैयार हो रहे राजकीय आवास का औचक निरीक्षण

एक्सईएन लो.नि.वि. निर्माण खण्ड-1 को डीएम ने लगाई कड़ी फटकार

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

गोण्डा । जनपद के तेजतर्रार जिलाधिकारी डॉ0 उज्जवल कुमार ने आज सोमवार को सदर तहसील के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए तैयार हो रहे निमार्णाधीन राजकीय आवास का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां पर देखा गया कि कराया गया कार्य गुणवत्तापूर्ण नहीं है। जिसको लेकर डीएम ने संबंधित कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड-1 के एक्सईएन को कड़ी फटकार लगाई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि निर्माण हो रहे राजकीय आवास को पूरी गुणवत्ता के साथ समय से कराना सुनिश्चित करें।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, एक्सईएन लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-1 सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधायक सदर व डीएम ने गन्ना किसानों को वितरित किये अंश प्रमाण पत्र

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

गोण्डा। जनपद के तेजतर्रार जिलाधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में गन्ना विकास विभाग द्वारा आयोजित गन्ना किसानों को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। शासन स्तर पर आयोजित कार्यक्रम गन्ना किसानों के जीवन में आ रही है मिठास प्रदेश की सहकारी गन्ना विकास समितियों एवं सहकारी चीनी मिल समितियों के अंशधारक कृषक सदस्यों को प्रमाण पत्रों का वितरण मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी के कर कमलों द्वारा कराया गया। जिसके क्रम में जनपद स्तर पर आयोजित गन्ना विकास विभाग द्वारा अंश प्रमाण पत्र का वितरण कार्यक्रम लाइव सजीव प्रसारण के माध्यम से कराया गया। इसी कार्यक्रम में आए हुए लगभग 70 से अधिक गन्ना किसानों को विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह, जिलाधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार के द्वारा अंश प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।इस अवसर पर विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, अपर जिला अधिकारी सुरेश कुमार सोनी, जिला गन्ना अधिकारी ए. पी. सिंह, विक्रम बहादुर सिंह, अखंड प्रताप सिंह, हरीश चंद्र चौधरी, आनंद शुक्ला, गन्ना किसान सहित अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

सरयू नहर में डूबने से दो युवकों की मौत गाँव में पसरा मातम

अमर ख्याल/मसरूर अली

पचपेड़वा (बलरामपुर)सरयू नहर मैं नहाने गए दो युवक की डूब कर मौत शव को ग्रामीणों की मदद से 2 घंटे बाद नहर से निकाला गया दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया गांव में पसरा मौत सन्नाटा पचपेड़वा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगदवा सैफ के मजरा जूड़ी कुइया निवासी फैजान सिद्दीकी 25 वर्ष पुत्र इजहार उल हक सिद्दीकी, व मुस्ताक मंसूरी 22 वर्ष पुत्र सलीम अपने दोस्तों के साथ गांव के उत्तर पश्चिम बने सरयू नहर जगदीशपुर के निकट नहाने गए थे दोनो युवको की नहर में डूबकर मौत हो गई घटना सुबह 10:00 बजे की है लड़कों की नहर में डूबने की खबर सुनते ही नहर पर हजारो लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई घटना की सूचना मिलते ही मौके पर थानाध्यक्ष आलोक राय भी पहुंच गए 12:00 बजे तक ग्रामीणों के सहयोग से दोनों शव को बाहर निकाला गया

जनपद के प्रभारी मंत्री ने किया मीडिया बंधुओं के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस, बताये सरकार के 100 दिन के उपलब्धियां

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

गोण्डा।जनपद के प्रभारी मंत्री, अनिल राजभर रविवार को जिला पंचायत सभागार में प्रेस वार्ता कर उ0प्र0 सरकार के 100 दिन की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि सरकार के 100 दिनों के लिये एक वृहद कार्ययोजना बनायी गयी थी, जिसे धरातल पर उतारने के लिये समय-सीमा भी निर्धारित की गयी। उन्होंने कहा 2017 के तर्ज पर जब दोबारा सरकार बनी तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पूरा मंत्रीमण्डल तथा प्रदेश वरिष्ठ के सभी वरिष्ठ अधिकारियों का एक सामूहिक प्रयास किया गया, जिसका परिणाम हम सब लोगों के सामने है। उन्होंने बताया कि बहुत से विभाग ऐसे हैं, जिन्होंने 100 दिनों के लक्ष्य को पार करते हुये आगे के लक्ष्य के लिये बहुत तेजी से प्रयास किया है तथा 100 दिन के अन्दर ही 200 दिनों के लक्ष्य का काम करके दिखाया है। मंत्री ने बताया कि योगी सरकार मजबूती से कदम बढ़ाया है। जनादेश के बाद उ0प्र0 के 25 करोड़ की जनता की सुरक्षा, समृद्धि प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की तरफ सरकार ने बजबूती के साथ कदम आगे बढ़ाया है।उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सबसे बड़ी चुनौती भोजन की थी, उस दौरान प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में निर्देशन में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत गरीब परिवारों को निःशुल्क राशन वितरण का कार्य किया गया। जिससे कोरोना काल के दौरान कोई भी गरीब भुखमरी का शिकार नहीं हुआ। मंत्री ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में सबका साथ सबका विकास तथा सबका विश्वास के साथ देश को सिरमौर बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। वे प्रदेश के माताओं, बहनों, किसानों, मजदूरों के विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक गरीब का बैंक में जनधन खाता और उनका बीमा लाभ दिलाया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, रोजगार सृजन, सौभाग्य योजना, शौचालय, खुले में शौच मुक्त भारत, उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन,रुपए 5 लाख तक के निःशुल्क इलाज के लिए गोल्डन कार्ड की सुविधा, किसानों को किसान सम्मान निधि की सुविधा प्रदान किया है।उन्होंने कहा मुख्यमंत्री जी की ही देन है कि आज उ0प्र0 प्रदेश एक्सप्रेस-वे प्रदेश के नाम से भी जाना जाने लगा है। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस-वे कि किनारे औद्योगिक हब बनाया जायेगा, जिससे युवाओं को समुचित रोजगार के साधन भी मुहैया हो सकेगा। सरकार इसके लिये चरणवद्ध तरीके से काम कर रही है।इस अवसर पर विधायक तरबगंज, गौरा, कटरा बाजार, करनैलगंज, जिलाधिकारी डॉ0 उज्ज्वल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार, अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, मुख्य राजस्व अधिकारी जयनाथ यादव, नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता, जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप, जिला विकास अधिकारी दिनकर विद्यार्थी, डीसी मनरेगा संत कुमार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुड़िया पूर्णिमा मेला को लेकर मथुरा मण्डी परिसर में अस्थाई बस स्टैण्ड बनाया

अमर ख्याल। राजेश कुमार

मथुरा। गोवर्धन में मुड़िया पूर्णिमा मेला को लाखों श्रद्धालुओं का आना रहता है, इसी को लेकर अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दूबे ने अगवत कराया है कि विश्व प्रसिद्ध मुड़िया पूर्णिमा मेला के दृष्टिगत मण्डी परिसर, मथुरा में अस्थाई बस स्टैण्ड स्थापित किया गया है। उन्होंने जानकारी दी है कि उक्त मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण आदि आ रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जिला एवं पुलिस प्रशासन का यह कर्तव्य है कि किसी भी श्रद्धालु को कोई परेशानी न हो और इस व्यवस्था के अनुसार यातायात जाम से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सहित विभिन्न अन्य प्रदेशों से लाखों श्रद्धालुगण आते हैं और मथुरा जनपद के विभिन्न प्रसिद्ध मन्दिरों में दर्शन करते हैं। श्री शंकर ने कहा कि जिला प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधाओं को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्युत विभाग के जेई पर दबंगई पूर्वक उपभोक्ताओं की लाइन कटवाने का लगा आरोप

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

करनैलगंज(गोंडा) स्थानीय विद्युत उपकेन्द्र के अन्तर्गत ग्राम मीनापुर शेखन पुरवा में मीटर रीडिंग चेक करने आए विद्युत कर्मियों की मनमानी व मांगे गए गाड़ी का तेल खर्च उपभोक्ताओं द्वारा देने से मना करने से विद्युत कर्मियों के इशारे पर जेई द्वारा दबंगई पूर्वक उपभोक्ताओं की लाइन कटवाने का उपभोक्ताओं ने आरोप लगाते हुए उचित कार्यवाही की मांग की है। मामला पावर हाउस करनैलगंज का है, जिसके अन्तर्गत ग्राम मीनापुर शेखन पुरवा में मीटर रीडिंग चेक करने आए विद्युत कर्मियों द्वारा रीडिंग चेक करके सबको बिल दिया गया, जिस पर उपभोक्ताओं ने 2 दिन का समय मांगते हुए कहा कि सोमवार तक बिजली का बिल जमा कर देंगे। लेकिन विद्युत कर्मियों ने अपनी मनमानी करते हुए व गाड़ी का तेल का खर्चा मांगते हुए कहा कि कुछ थोड़ा बहुत दे दो हम कनेक्शन नहीं काटेंगे और चले जाएंगे। जिस पर उपभोक्ताओं ने पैसा देने से मना किया और बिजली कर्मियों से लिखित में मांगने लगे कि आप मुझे लिखित में दीजिए फिर बिजली काट दीजिए ।

उसके बाद आए हुए बिजली कर्मी आग बबूला हो गए और सीधे जे ई को फोन कर दिया और कहा कि साहब यह लोग चार-पांच सौ रुपए भी देने को मोहताज हैं जिस पर उपभोक्ताओं ने पैसा देने को कहा और बदले में बिजली का बिल मांगा। उस पर आए हुए बिजली कर्मी ने बिल देने से इनकार कर दिया और जेई के आदेश पर लाइन कटवा दी। जिसके वजह से उपभोक्ताओं को इस भीषण गर्मी में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

हत्या अभियुक्त अवैध असलहे के साथ चढ़ा पुलिस हत्थे

पेशी के दौरान पुलिस अभिरक्षा से हत्याभियुक्त को षणयंत्र के तहत फरार कराने का मुख्य आरोपी अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

गोण्डा। जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत वांछित अभियुक्तों की शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए,वही दूसरी तरफ थाना कोतवाली नगर के थाना प्रभारी निरीक्षक ने पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देश पर उक्त मामले में वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु तत्काल प्रभाव से टीम किया गठित।थाना को0 नगर पुलिस ने पेशी के दौरान पुलिस अभिरक्षा से अभियुक्त श्यामू कोरी को षणयंत्र के तहत फरार कराने के मुख्य आरोपी अभियुक्त विकास सिंह उर्फ आकाश ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने षणयंत्र के तहत अभियुक्त श्यामू कोरी को पेशी के दौरान पुलिस अभिरक्षा से फरार कराया था।

अभियुक्त के विरूद्ध थाना को0 नगर पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार अभियुक्त 01. विकास सिंह उर्फ आकाश ठाकुर पुत्र जयपाल सिंह नि0 हरिहरपुर थाना कमलापुर जनपद सीतापुर।

बरामदगी 01. 01 अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय 01 अदद जिन्दा कारतूस।गिरफ्तार कर्ता उ0नि0 रामआशीष मौर्या मय टीम सहित मौजूद रहे।

दहेज हत्या का अभियुक्त को पुलिस ने छत्तीस घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

अमर ख्याल / शिव आशीष गोस्वामी

कटरा बाजार(गोण्डा) जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत वांछित अभियुक्तों की तत्काल प्रभाव से शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को कड़े निर्देश दिए,वही दूसरी तरफ थाना कटरा बाजार के थाना अध्यक्ष चितवन कुमार ने पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन उक्त मामले के वांछित अभियुक्तों की शीघ्र ही गिरफ्तारी करने हेतु तत्काल प्रभाव से टीम किया गठित।थाना अध्यक्ष चितवन कुमार ने अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही कर दिखा रहे तत्परता, वही दूसरी तरफ थाना अध्यक्ष चितवन कुमार के उक्त निर्देशन में थाना कटरा बाजार पुलिस ने दहेज हत्या के वांछित अभियुक्त रामसोहावन को गिरफ्तार कर लिया गया। उक्त अभियुक्त ने वादिनी सुमनदेवी पत्नी रंगीलाल की लड़की को दहेज की बात को लेकर प्रताड़ित करना व हत्या करने का लगाया गंभीर आरोप,जिसके सम्बन्ध में वादिनी द्वारा थाना कटराबाजार में अभियोग पंजीकत कराया गया था। अभियुक्त के विरूद्ध थाना कटरा बाजार पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की गयी।गिरफ्तार अभियुक्त 01. रामसोहावन पुत्र बाबूचन्द्र नि0 बोधी पुरवा मौजा जगतापुर थाना कटरा बाजार जनपद गोण्डा।गिरफ्तार कर्ता थाना अध्यक्ष चितवन कुमार का0राम सिंह, का0देवनाथ सहित टीम मौजूद रहे।

कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा के तत्वाधान में शुरू हुआ पांच दिवसीय मशरूम की खेती का प्रशिक्षण कार्यक्रम

अमर ख्याल।अशोक कुमार पाठक

बहराइच नानपारा तहसील के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा के तत्वाधान में कृषकों को स्वावलंबी बनाने देश भर में गरिमामय रूप से मनायी जायेगी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ 11 अगस्त से 17 अगस्त 2022 के मध्य हर घर तिरंगा कार्यक्रम का होगा आयोजन

खानपान की गलत आदतों और फिजिकल एक्टिविटी की कमी से बीमारियां हो रही हैं हावी - डॉ राजेश

अमर ख्याल ब्यूरो

मथुरा। खानपान की गलत आदतों और फिजिकल एक्टिविटी की कमी के कारण युवा कई तरह की बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। उनमें से एक थायराइड भी तेजी से फैलती जा रही है। ऐसे में शरीर में होने वाली किसी भी तरह की बीमारी के लक्षणों को अनदेखा ना करें। थायराइड ग्लैंड हमारे शरीर का मेटाबॉलिज्म मैनेजर है, अगर यह समस्या होती है तो इससे शरीर पर बहुत ही बुरा असर होने लगता है। थायराइड के कारण शारीरिक विकास धीमा हो जाता है इसके साथ ही चिड़चिड़ापन थकान के साथ कमजोरी जैसे लक्षण भी दिखने लगते हैं ऐसी स्थिति में डॉक्टर की सलाह अवश्य लें जिससे कि शरीर में होने वाली बीमारी पर नियंत्रण किया जा सके। खासकर आपको बता दें थायराइड की समस्या महिलाओं में ज्यादा देखने को मिल रही है। महिलाओं को डेली डाइट में कुछ चीजों को शामिल करने से थायराइड को नियंत्रण में रखना आसान हो जाता है थायराइड में होने वाली सूजन को दूर करने के लिए धनिया और जीरे का पानी पीना भी काफी फायदेमंद होता है थायराइड में अदरक भी काफी फैक्ट्री होता है अदरक के टुकड़े को पानी में उबालकर इस पानी को चाय की तरह भी पी सकते हैं यह दर्द और सूजन को दूर करने में सहायक है। विटामिन ए से भरपूर सब्जियों और फलों जैसे पालक, सेब, केला और सभी तरह की हरी पत्तेदार सब्जियों को अपने खाने में जरूर शामिल करें।

उसावा पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा

अमर ख्याल / नाजिर खां

उसावॉ- जनपद बदायूँ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ ओ पी सिंह के कुशल निर्देशन में एंव श्रीमान पुलिस अधीक्षक नगर प्रवीण कुमार चौहान के पर्यवेक्षण मे एवं क्षेत्राधिकारी दातागंज कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में थाना उसावाँ पुलिस द्वारा दिनांक 11.07.2022 थाना उसावॉ पर पंजीकृत पोक्सो एक्ट मुकदमे के अभियुक्त रोबिन पुत्र जसवीर निवासी ग्राम बझेड़ा थाना उसावाँ जनपद बदायूँ को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष समय से पेश करने के बाद जिला कारागार बदायूँ भेज गया है उपनिरीक्षक रजनीश कुमार हेड कांस्टेबल जितेन्द्र सिंह थानाध्यक्ष उसावॉ ने गिरफ्तार किया

ब्लाक मुख्यालय बाबागंज पर क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन 23 जुलाई को

अमर ख्याल। अशोक कुमार पाठक

आगामी 23 जुलाई को बाबागँज ब्लाक मुख्यालय पर क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन मे अधिकाधिक सँख्या में भाग लेने हेतू उपस्थित जनों से अपील की। साथ ही काँग्रेस नेतृत्व द्वारा भेजे गये पाँच सदस्यीय अधिवक्ताओं की टीम ने वरिष्ठ नेता साबिर भाई के परिजनों के सम्पत्ति विवाद प्रकरण की मौका मुआयना कर-के विस्तृत रिपोर्ट तैय्यार की।

जिसे पार्टी हाईकमान व जिला प्रशासन को सौंपा जाएगा। उक्त टीम मे बृजेश पाठक एडवोकेट , मो०इशारत खान एडवोकेट , स्वदेश कुमार सिँह एडवोकेट , बाबू हीरा लाल राव एडवोकेट , शक्ति सिँह एडवोकेट शामिल रहे। वरिष्ठ काँग्रेस नेता विनय सिँह ने कहा किसी भी काँग्रेसी परिवार पर कोई भी प्रकार का आँच न आने देने तथा उनके मान सम्मान प्रतिष्ठा व सुरक्षा को बहाल रखना ही उनकी दृढ सँकल्पिता है।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन मे ब्लाक अध्यक्ष रामदीन गौतम ने कहा जाकिर भाई के सहकारिता विभाग का अध्यक्ष बनने से उनके सँगठन व पार्टी को काफी बल मिलेगा और हम राम और लक्ष्मण की तरह अन्याय , शोषण , दमन के खिलाफ लडकर सत्यमेव जयते का उद्घोष करेंगे।

इस अवसर मो० जैद बृजेश पाण्डेय शोभाराम वर्मा सत्येन्द्र वर्मा फौजदार मोटिमरजा सहित कई लोगो ने अपने अपने विचार ब्यक्त किए।

बाबागँज बहराइच। 11जुलाई जिला काँग्रेस कमेटी सहकारिता विभाग की एक आवश्यक बैठक काँग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी स्वर्गीय मोहम्मद साबिर के आवास पुरानी बाजार बाबागँज मे ब्लाक काँग्रेस कमेटी के ब्लाक अध्यक्ष रामदीन गौतम की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। बैठक की में पूर्व प्रत्याशी 283 नानपारा विधान सभा मरहूम मो०साबिर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके खिराजे अकीदत पेश करके किया गया। उक्त दौरान मुख्य अतिथि वरिष्ठ काँग्रेस नेता विनय सिँह ने उनके युवा पुत्र मो० जाकिर को ब्लाक अध्यक्ष काँग्रेस कमेटी सहकारिता विभाग नबाबगँज का नियुक्ति पत्र सौंपकर उत्साहवर्धन किया।

जिलाध्यक्ष राम नरेश यादव ने

योगी शासन में नारी शक्ति करण की जमकर उड़ाई जा रही है धज्जियां

दरिंदों ने युवती के साथ की छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

अमर ख्याल / ऋषिपाल मौर्य

पीलीभीत के बरखेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बरखेड़ा पुलिस को तहरीर दी जिसमें बताया कि घटना दिनांक 7 जुलाई 2022 को समय लगभग दोपहर 3 बजे गांव पिपरिया मण्डन थाना बरखेड़ा निवासी सागर पुत्र दयाराम व अनिल कुमार पुत्र कढ़ेराम बुरी नियत से युवती के घर के अंदर घुस आये और युवती के साथ गंदी - गंदी हरकतें करते हुए छेड़छाड़ करने लगे युवती ने जब इसका विरोध किया तो उक्त दोनों व्यक्ति गंदी गंदी गालियां देते हुए युवती के साथ मारपीट करने लगे युवती ने शोर मचाया शोर पर युवती की देवरानी व मोहल्ले के तमाम लोग आ गये जिन्होंने उक्त दोनों व्यक्तियों से युवती को बचाया तभी उक्त दोनों व्यक्ति युवती को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए घटना के समय युवती के पति बाहर गए हुए थे पति के घर आने पर युवती ने बरखेड़ा को लिखित सूचना देकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की जिसपर बरखेड़ा इंस्पेक्टर उदयवीर सिंह ने बताया छेड़छाड़ की एक तहरीर प्राप्त हुई जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है

अवारा पशुओं से फसलें बचाने को मजबूर किसान,प्रदर्शन कर अवारा पशुओं को गौशाला भेजने की मांग

अमर ख्याल। अशोक कुमार पाठक

जरवल बहराइच । रात रात भर जागकर किसान अपने खेतों की रखवाले करने को मजबूर है। क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में मौजूद अवारा पशुए किसानों की फसलें नष्ट कर रही है,जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। किसानों ने आवारा मवेशियों को गौशाला भेजने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया है। सोमवार को जरवल विकास खण्ड के सपसा गांव में अवारा पशुओं से निजात दिलाने के लिए समाजसेवी विनय सिंह के नेतृत्व में शिव शंकर, देश राज लोधी, बब्लू गौतम,राम नरेश सिंह,राजिंदर ,संजय वर्मा,रामू,लकपत,राम राज वर्मा,राम सिंह वर्मा, सर्वजीत वर्मा,सोनू,ललित प्रसाद वर्मा सहित दो दर्जन से अधिक किसानों ने प्रदर्शन किया तथा शासन प्रशासन से अवारा जानवरों को गौशाला भेजने की मांग की है।किसानों का कहना है सैकड़ों की संख्या में घूम रहे अवारा पशुए उनकी फसलों को नष्ट कर रहे है,जिससे उसे भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।किसान किसी तरह पैसा इकट्ठा कर अपनी फसलों को लगाता है ,जिसे क्षेत्र के अवारा पशु चट कर जाते हैं।रात रात भर खेतों में जागकर किसान अपनी फसलों की रखवाली करने को मजबूर है।किसानों ने मांग की ह

ै कि गांव के अवारा जानवरों को पकडकर गौशाला भेजने का काम प्रशासन करे अन्यथा धरना प्रदर्शन और हाइवे जाम करने के लिए किसान विवश होगें।

पूर्व में ग्रामीणों ने अवारा पशुओं को प्राथमिक विद्यालय में किया था बन्द

4 जुलाई को ग्रामीणों ने आवारा मवेशियों को विद्यालय प्रांगण में इकट्ठा कर बन्द कर दिया था ।पुलिस और प्रशासन के लोगों ने पहुंचकर गांव वालों से वार्ता की थी ।जरवल बीडीओ एस पी पाण्डेय ने स्कूल में बन्द जानवरों को गाड़ियों से गौशाला भेजने का आश्वासन किसानों को दिया था,लेकिन अवारा पशुओं को गौशाला नही भेजा गया।

प्रधानाध्यापक की तहरीर पर 21 किसानों दर्ज हुआ था मुकदमा

प्रधानाध्यापक की तहरीर पर 21 किसानों के विरुद्ध जरवलरोड पुलिस ने पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया था।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर झूठी रिपोर्ट लगाने का आरोप

किसानों का आरोप है कि हम लोग मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाने पर प्रधान और सेक्रेटरी मिलकर छुट्टा जानवर न होने की झूठी रिपोर्ट लगा देते है।

भारत विकास परिषद की 59वि स्थापना दिवस गोष्ठी

अमर ख्याल। अशोक कुमार पाठक

बहराइच शाखा द्वारा एक वैचारिक संगोष्ठी तथा समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय डालमिया स्मृति सदन बहराइच में किया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय सचिव संपर्क श्री सच्चिदानंद श्रीवास्तव जी व भारत विकास परिषद की वरिष्ठ सदस्य और नगर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी थी । कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गायन ,दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया । वैचारिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि सच्चिदानंद श्रीवास्तव जी, विशिष्ट अतिथि श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी, बहराइच शाखा के संरक्षक राकेश रस्तोगी प्रांतीय संयोजक जय प्रकाश सक्सेना ,जिला समन्वयक अध्यक्ष अजय ड्रोलिया जी , महिला संयोजिका संध्या गोयल द्वारा उद्बोधन किया गया और भारत विकास परिषद के इतिहास और कार्यक्रमों की जानकारी उपस्थित लोगो को दी गई ।

मुख्य अतिथि सच्चिदानंद श्रीवास्तव ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की भारत विकास परिषद की स्थापना 1962के चीन युद्ध के समय में की गई क्योंकि उस समय हमारी सेनाएं चीन के साथ हो रहे युद्ध में तमाम आवश्यक परेशानियों जैसे बर्फ में पहनने वाले कपड़े जूते खाद्य सामग्री की कमी से जूझ रही थी ,उन विषम परिस्थिति से निपटने के लिए लाला हंसराज और डाक्टर सूरज प्रकाश तथा अन्य प्रबुद्ध लोगो ने नागरिक समिति बनाकर सैनिकों की मदद की ,उसके पश्चात 10जुलाई को भारत विकास परिषद का पंजीकरण हुआ ।

तब से अब तक भारत विकास परिषद अपने मूल मंत्र संपर्क ,सहयोग ,संस्कार ,सेवा समर्पण का पालन करते हुए राष्ट्र सेवा के अपने उद्देश्यों को पूरा करने में लगी हुई है । विशिष्ठ अतिथि और नगर विधायक अनुपमा जायसवाल जी ने भारत विकास परिषद बहराइच शाखा के संस्थापक स्वर्गीय तीर्थराज मणि त्रिपाठी को याद करते हुए कहा की मुझे भारत विकास परिषद में सदस्य बनाने वाले आदरणीय तीर्थराज मणि त्रिपाठी जी थे और मैं उन्हीं के प्रेरणा से भारत विकास परिषद से जुड़ी और तब से मेरा भारत विकास परिषद बहराइच शाखा से बहुत ही आत्मीय संबंध रहा है । उन्होंने भारत विकास परिषद बहराइच शाखा के साथ अपने संस्मरणों को साझा करते हुए बहराइच शाखा के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की । संगोष्ठी के पश्चात समूह गान प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिसमे नगर के छः विद्यालयों के बच्चो ने प्रतिभाग किया ।इस गायन प्रतियोगिता में सभी विद्यालयों के द्वारा राष्ट्रभक्ति के गीतों का गायन किए गया । समूह गान प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में श्रीमती रंजीता श्रीवास्तव उर्फ सोनी मैम तथा श्रीमती शिप्रा श्रीवास्तव जी ने अपना निर्णय दिया। जिसमे प्रथम पुरस्कार पुलिस मॉडर्न स्कूल बहराइच द्वितीय पुरस्कार बाल शिक्षा निकेतन बहराइच और तृतीय पुरस्कार सरस्वती विद्या मंदिर बहराइच के बच्चो को दिया गया ।इस कार्यक्रम में मंच संचालन डाक्टर ज्योति सिंह और ममता जायसवाल ने किया । इस कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष अनिल गोयल सचिव प्रदीप ड्रोलिया कोषाध्यक्ष शरद काबरा महिला संयोजिका संध्या गोयल जिला समन्वयक समिति अध्यक्ष अजय ड्रोलिया प्रांतीय संयोजक जय प्रकाश सक्सेना संरक्षक राकेश रस्तोगी,मीडिया प्रभारी अभिषेक गुप्ता , रामगोपाल अग्रवाल संतराम सिंह जी सुशील ड्रोलिया प्रदीप केडिया कृष्ण गोपाल टेकरीवाल उत्कर्ष अग्रवाल अनुज श्रीवास्तव रवि श्रीवास्तव अतुल गुप्ता सत्य प्रकाश जयसवाल श्रीमती प्रियंका सिंह श्रीमती ज्योति सिंह नीलू गुप्ता सरोज गोयल रुचि गुप्ता ममता जायसवाल स्मिता श्रीवास्तव मोहनी सोनी सहित कई सदस्य उपस्थित

घरों और प्रतिष्ठानों पर फहराया जायेगा तिरंगा झण्डा

अमर ख्याल। राजेश कुमार

मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने राजीव भवन के सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक ली। उन्होंने मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार जानकारी देते हुए बताया कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी अमृत महोत्सव कार्यक्रम देशभर में गरिमामय रूप से मनाया जाएगा। उन्होने बताया कि आजादी अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 11 अगस्त से 17 अगस्त 2022 के मध्य हर घर तिरंगा कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने घर एवं प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान भाव के साथ झण्डा फहराया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम प्रत्येक सरकारी अधिकारी एवं कर्मचारी, शिक्षकगण सार्वजनिक क्षेत्रों के उपकर्मो, स्वयं सहायता समूहों एवं विभिन्न नागरिक संगठनों आदि के सहयोग से क्रियान्वित किया जायेगा तथा वाणिज्यिक एवं व्यवसायिक समूहों एवं संगठनों की सहभागिता एवं तिरंगा झण्डा बनवाने में उनके सहयोग की अपेक्षा की जायेगी। डॉ0 गौड़ ने यह भी बताया कि जनपद में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत लगभग 03 लाख 90 हजार झण्डे तैयार किये जाएंगे। जिनके निर्माण के लिए स्वयं सहायता समूह एवं टेलरों को सम्मिलित करते हुए झण्डा निर्माण समूहों का गठन किया जायेगा। उन्होंने नगर निगम को 103351, मथुरा छावनी परिषद को 3951, नगर पंचायत कोसी कलां को 9242, नन्दगांव को 1772, बरसाना को 1721, छाता को 3621, चैमुहां को 2027, बाजना को 1383, गोकुल को 756, महावन को 1692, बल्देव को 1817, फरह को 1602, राधाकुण्ड को 1156, गोवर्धन को 1935, सौंख 1470, विकास खण्ड बल्देव को 28627, चैमुहां को 20550, छाता को 28688, फरह को 23756, गोवर्धन को 27645, मांट को 25880, मथुरा को 21817, नन्दगांव को 20962, नौहझील को 28189 तथा राया विकास खण्ड को 24972 कुल-391876 तिरंगा झण्डें बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चैधरी ने बैठक की कार्यवाही करते हुए बताया कि जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में झण्डा वितरण/बिक्री के लिए केन्द्रों को चिन्हित कर जिले के समस्त सरकारी राशन की दुकानों, सभी स्कूल एवं कॉलेज तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों को झण्डा वितरण एवं बिक्री केन्द्र के रूप में प्रयोग किया जाएगा। हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सुनियोजित रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिला स्तर से पंचायत स्तर तक विभिन्न स्तरों पर अधिकारीगण नियुक्त किये जायेंगे। जनपद में समस्त सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यवसायिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, गैर सरकारी संगठनों, रैस्टोरेंट, टोल प्लाजा, पुलिस चैकी/थाना, शॉपिंग कॉम्पलेक्स इत्यादि को इस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से झण्डा फहराये जाने के लिए निर्देशित किया गया है। सभी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में अभिभावक शिक्षक मीटिंग के माध्यम से कार्यक्रम के संबंध में छात्र-छात्रायें तथा आमजनता को बताते हुए जागरूक किया जायेगा। किरन चौधरी ने बताया कि समस्त ग्राम पंचायतें 15वें वित्त आयोग अथवा राज्य वित्त आयोग के फण्ड, ग्राम निधि फण्ड, ग्राम्य विकास विभाग के अन्तर्गत संचालित एनआरएलएम/एसआरएलएम के स्वयं सहायता समूह के रिवाल्विंग फण्ड/अनुदान राशि से विभिन्न विभागों से मांग के अनुसार झण्डों का उत्पादन एवं वितरण करेंगे। उन्होंने संबंधित नोडल अधिकारियों को बताया कि अपने लक्ष्य के अनुसार शीघ्र ही झण्डों की मांग की अग्रिम बुकिंग संबंधित सहायता समूह, टेलर व जेम पोर्टल आदि से कर लें। बैठक में जिला विकास अधिकारी सुधा कुमारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस प्रवीन मलिक, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अभिनव मिश्र, जिला ग्रामोद्योग अनिल कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। के उद्देश्य से पांच दिवसीय प्रशिक्षण आज कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा में शुरू हुआ जिसमें मसरूम की खेती के बारे में बताया गया कृषि वैज्ञानिक वी पी सिंह, मनीष जी, व अन्य वैज्ञानिक ने भी मसरूम की खेती के गुर सिखाए प्रशिक्षण में नवाबगंज विकास खण्ड के किसान मौजूद रहे।

सफाई और पानी पर लाखों खर्च फिर भी गांव के हालत बेहाल

अमर ख्याल /नाजिर खां

बदायूँ / हजरतपुर- विकास खंड म्याऊं के अंतर्गत ग्राम पंचायत लाभारी में गंदगी और नलों का हाल किसी से भी छुपा नहीं है जोकि मेन मार्केट बाजार में ही नल खराब पड़े हुए हैं और गंदगी का अंबार लगा है क्योंकि ग्राम प्रधान और सचिव अपनी मनमानी तरीके से कार्य कर रहे हैं ग्राम प्रधान अपनी दबंगई के आगे ना तो सफाई करा रहा है और ना ही नल ठीक करा रहा है बताया जा रहा है कि बाजार के लिए एक रीबोर नल आया भी था जो कि ग्राम प्रधान ने अपनी दबंगई से कहीं और जाकर लगवा दिया जिससे बाजार में आए हुए व्यक्ति इधर-उधर घरों में जाकर पानी पीने को मजबूर हैं पहले योगी सरकार पानी और सफाई पर लाखों करोड़ों खर्च कर रही हो लेकिन प्रधान और सचिव मिलकर उनके मंसूबों पर पूर्ण रूप से पानी फेर रहे हैं उन्हें किसी भी शासन प्रशासन अधिकारी का डर नहीं है कई बार खबर प्रकाशित होने के बावजूद भी कोई एक्शन नहीं लिया गया क्या अधिकारी कर्मचारी प्रधान और सचिव के इशारे पर काम करते हैं या फिर प्रधान की दबंगई के आगे सभी फेल हैं देखते हैं ग्राम प्रधान और सचिव पर अधिकारी क्या कार्यवाही करते हैं या या फिर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही की जाती है

एक कुंटल गोवंशीय मांस और दो मोटरसाइकिल सहित छह अभियुक्त गिरफ्तार

अमर ख्याल/नाजिर खां

बदायूँ / कुंवरगाव- थाना कुवरगांव पुलिस ने एक कुंटल गोवशीय मास अवशेष मांस काटने के उपकरणों और मांस बेचने मे प्रयोग होने वाली दो मोटरसाइकिल के साथ छह अभियुक्तों को गिरफ्तार करके जेल भेजा

आपको बता दें कि थाना कुंवर गांव पुलिस को मुखबिर के द्वारा सूचना मिलेगी ग्राम बनेई में बच्चन पुत्र अच्चन के मकान पर गोकशी हो रही है सूचना मिलते ही पुलिस ने ग्राम बनेई में पहुंचकर बच्चन के मकान पर दबिश दी वहां पर बच्चन के मकान में पशुओं का वध करने वाले छह अभियुक्त बच्चन पुत्र अच्चन दिलशाद पुत्र बच्चन कामिल पुत्र नफीउद्दीन आलिम पुत्र नफीउद्दीन आरिफ पुत्र इशरात अली विरासत पुत्र लियाकत निवासी गण ग्राम बनेई थाना कुवरगांव जनपद बदायूं को गोकशी करते हुए मौके पर पकड़ लिया जिनके पास से करीब 1 कुंटल गोवंश के मांस और मांस काटने के उपकरण दो छोटी कुल्हाड़ी 6 छुरी एक लकड़ी का गट्टा एक तराजू 1 किलोग्राम का वाट और माल बेचने में प्रयोग होने वाली दो मोटरसाइकिल स्प्लेंडर और इनफील्ड बुलेट के साथ मौके पर गिरफ्तार कर लिया अभियुक्तों ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि इस समय बकरा ईद का त्यौहार है इसलिए अधिक रुपए कमाने के इरादे से हमने यह काम किया है हम लोग मांस को काटकर पन्नी में पैक करके अपनी मोटरसाइकिलों से गांव और आसपास के क्षेत्रों में जाकर इसे बेच देते थे जिससे हमें ज्यादा मुनाफा होता था जिस के संबंध में थाना कुंवरगाव में मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्तों को जिला कारागार बदायूं भेज दिया कुंवरगाव थाना प्रभारी निरीक्षक श्री चंद्र प्रकाश शुक्ला उप निरीक्षक रवि शंकर यादव उपनिरीक्षक राजपाल सिंह कॉन्स्टेबल अभिषेक कुमार कॉन्स्टेबल विपिन भाटी कांस्टेबल जितेंद्र कुमार कॉन्स्टेबल आदेश पनिया कॉन्स्टेबल विनीत कुमार कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार कांस्टेबल मनोज कुमार कांस्टेबल शनि देव गिरफ्तारी टीम मे रह

नगर पालिका के अनुबंध और शर्तों के विपरीत कर रहा जिओ प्राइवेट लिमिटेड कार्य, नगर को पंहुचा रही नुकसान

अमर ख्याल । इन्द्रपाल यादव

अनूपपुर (मध्य प्रदेश)कोतमा नगर पालिका अंतर्गत जिओ डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अनुबंध की शर्तों के अनुसार मयूर ढाबा से होते हुए अजहर अली के घर से जिओ टावर तक ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने की अनुमति प्रदान की गई थी। जिसमें नगर पालिका ने प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के लिए विभिन्न शर्तों के अनुसार जिओ डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड को कार्य करना था, जिसके अंतर्गत नगर पालिका के तकनीकी कर्मचारी, उपयंत्री की उपस्थिति में केबल बिछाने का कार्य पूर्ण किया जाना था। लेकिन लगातार देखा जा रहा है कि जिओ डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मनमाने ढंग से कार्य करते हुए नगर पालिका के कर्मचारियों की अनुपस्थिति में नगर भर में गड्ढे कर सड़क को तोड़कर ऑप्टिकल फाइबर बिछाया जा रहा है जिससे नगर को काफी क्षति पहुंच रही है वही आए दिन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कार्य के कारण नगर में बिछी हुई पानी की पाइप लाइन को क्षति पहुंचता है जिससे जनता को पानी मिलने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है हाल ही में ठाकुर बाबा के सामने जिओ ऑप्टिकल केबल बिछाने के दौरान मुख्य पाइप लाइन पर सेंधमारी कर दी गई थी जिसके कारण से पाइप लाइन टूट गई थी और नगर वासियों को हफ्ते भर पानी की समस्या से जूझना पड़ा था। जिसको देखते हुए नगर पालिका ने क्षतिपूर्ति की राशि तो जिओ प्राइवेट लिमिटेड के ऊपर आधोरोपित कर दी थी।

लेकिन जिओ डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नगर पालिका के नोटिस को दरकिनार करते हुए दोबारा मनमाने रूप से कार्य करते हुए बिना क्षतिपूर्ति के पैसे जमा किए हैं अपने कार्य को अंजाम देने लग गई है जिससे अब नगर में अधिकारी कर्मचारी की मिलीभगत से प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को संरक्षण देने की बात सामने आ रही है। नियम एवं शर्तों का उल्लंघन नगर पालिका द्वारा परमिशन देने से पहले नगर पालिका ने प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सामने विभिन्न शर्तों को रखा था ।

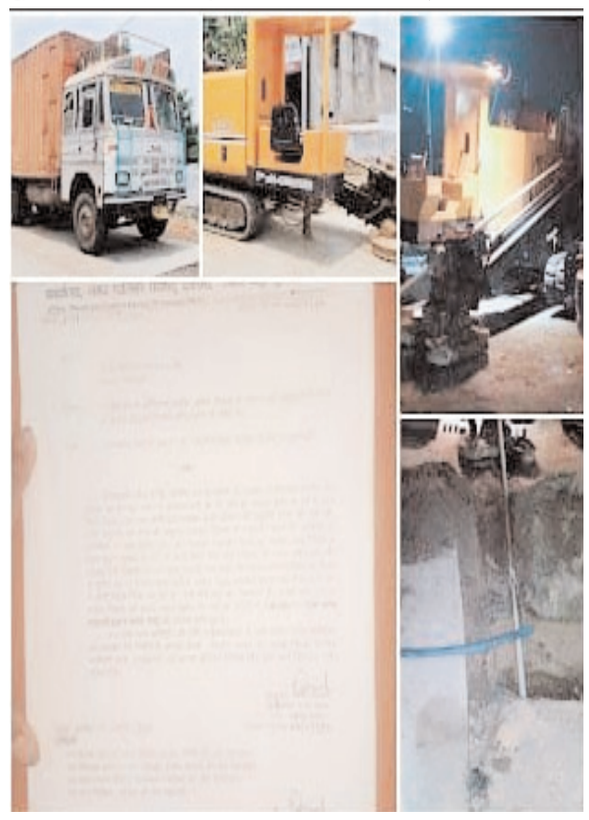

लेकिन जिओ डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शर्तों का उल्लंघन करते हुए लंबे समय से रात्रि में बिना किसी सूचना के लगातार कार्य किया जा रहा था। जिससे नगर की मुख्य आबादी वाले इलाको की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था करने वाली पाइप लाइन पर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नुकसान पहुंचा दिया गया जिससे नगर की 3 दिन की पानी प्रदाय की आपूर्ति पूर्णता बंद रही, जिस कारण से विभिन्न वार्डों में लगभग एक हजार कनेक्शन धारकों को टैंकर के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया गया उक्त क्षति पर नगर पालिका द्वारा पाइप लाइन सुधार एवं पेयजल आपूर्ति के नाम पर 1लाख 95 हजार की आर्थिक क्षति लगाते हुए क्षतिपूर्ति की राशि निकाय में जमा करने का नोटिस जिओ डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के ऊपर जारी कर दिया। अधिकारी कर्मचारियों के संरक्षण में प्राइवेट लिमिटेड क्षतिपूर्ति को लेकर नगर पालिका ने तो नोटिस जारी कर दिया नोटिस जारी कर 90 के कर्मचारियों ने खानापूर्ति भी कर दी लेकिन जब कार्यवाही की बात सामने आई तो सच्चाई निकलकर सबके सामने आ गई। नगर पालिका द्वारा 4 जून को नोटिस जारी कर क्षतिपूर्ति करने की बात कही गई थी लेकिन कर्मचारियों द्वारा मिलीभगत कर बिना किसी कार्यवाही के दोबारा रात्रि को प्राइवेट लिमिटेड का कार्य शुरू करवा दिया गया नगर के दर्जनों ठिकानों पर जिओ कंपनी द्वारा रात्रि को कार्य किया जा रहा है

ग्राम प्रधान ने पीडब्ल्यू की जगह मैं दुकानों के आगे चुनवाई दीवार

पुलिस की शाह पर ग्राम कोल्हाई में पीडब्ल्यूडी की जगह में दुकानों के आगे ग्राम प्रधान ने चुनवा दी दीवार

अमर ख्याल / नाजिर खां

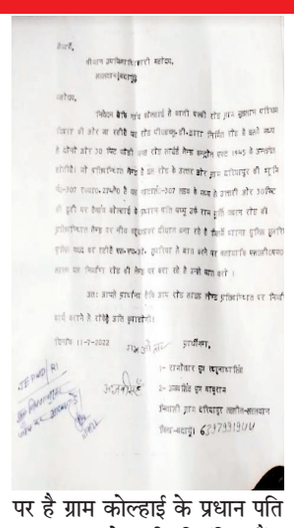

बदायूँ/ मुजरिया - तहसील सहसवान क्षेत्र के थाना मुजरिया क्षेत्र के ग्राम कोल्हाई में काली पक्की रोड जो मुडसान की ओर जा रही है जो पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित रोड हु इसके मध्य से दोनों ओर 30 फिट थोड़ी जगह रोड साइड लैंड कंट्रोल एक्ट 1945 के अंतर्गत आने के बावजूद ग्राम प्रधान द्वारा एक सत्ताधारी नेता की शाह पर थाना मुजरिया पुलिस ने खड़े होकर भूमि नंबर 307 रकवा 0.274 हेक्टेयर है

यह गाटा संख्या 307 सड़क के मध्य से उतरी ओर 30 फिट की दूरी पर है ग्राम कोल्हाई के प्रधान पति द्वारा जबरन रोड की प्रतिबंधित लैंड भूमि पर नीव खुदवा कर दीवार बनाई जा रही हैं पीड़ित ने इस बाबत एस एच ओ मुजरिया से संपर्क साधा तो उन्होंने कहा कि इस संबंध में एसडीएम सहसवान से शिकायत करो तभी निर्माण रुक सकता है पीड़ित राम अवतार अजब सिंह निवासी ग्राम दरियापुर ने अधिकारियों के पास चक्कर लगाए जिस पर तहसीलदार सहसवान ने जेई पीडब्ल्यूडी को नियम अनुसार जांच कर आख्या प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है सवाल उठता है जब ग्राम प्रधान ही पीडब्ल्यूडी विभाग की भूमि पर निर्माण कराएंगे तो आम जनता क्या करेगी

मुड़िया पूर्णिमा मेला में मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ा, 54 मोबाइल किए बरामद

अमर ख्याल राजेश कुमार

मथुरा / गोवर्धन। पुलिस ने अंतर्जनपदीय मोबाइल चोर गिरोह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरोह के कब्जे से 54 मोबाइल बरामद किए हैं। यह गिरोह गोवर्धन में चल रहे मुड़िया पूर्णिमा मेला में श्रद्धालुओं के मोबाइल चोरी कर रहा था। पुलिस ने गिरोह के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। मथुरा के गोवर्धन में मुड़िया पूर्णिमा मेला चल रहा है। यहां मेला में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान गोवर्धन के दर्शन और परिक्रमा करने के लिए पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की इस भीड़ में मोबाइल चोरी करने वाला गैंग भी पहुंचा था। यह गैंग मौका पाते ही श्रद्धालुओं के मोबाइल पार कर देता था। मेला की शुरूआत से ही गैंग के सदस्य गोवर्धन पहुंच गए और मोबाइल चोरी कर रहे थे। गोवर्धन में चल रहे राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेला में जेबकट,मोबाइल चोरों पर निगाह रखने के लिए पुलिस ने सादा वर्दी में पुलिस कर्मियों को तैनात किया था। इसके अलावा एसओजी,सर्विलांस और स्वाट टीम के भी पुलिस कर्मी असामाजिक तत्वों पर नजर रख रहे हैं।

रविवार की देर शाम थाना गोवर्धन पुलिस,एस ओ जी,स्वाट और सर्विलांस टीम ने संयुक्त रूप से मोबाइल चोरी करने वाले एक गैंग को पकड़ा।

यह गैंग परिक्रमा लगा रहे,मंदिरों में दर्शन कर रहे श्रद्धालुओं के अलावा पार्किंग में खड़ी गाड़ियों से मोबाइल चोरी करते थे। शातिर मोबाइल चोर जहां भी मेला या भीड़ होती थी वहां गैंग के साथ जाते और मोबाइल, पर्स, चैन मौका मिलते ही बड़े शातिराना अंदाज में चोरी कर लेते थे। इस गैंग के सदस्यों पर मथुरा के अलावा मैनपुरी, फिरोजाबाद, आगरा, इटावा में भी मुकद्दमा दर्ज हैं।

एसएसपी अभिषेक यादव (मथुरा)

पुलिस ने गैंग के 7 सदस्यों को गिरफ्तार किया। यह सभी मैनपुरी के रहने वाले थे जो मेला में मोबाइल चोरी करने के लिए गोवर्धन आए हुए थे। पुलिस ने रविवार को गोवर्धन कस्बे के पास जमुनावता बम्बा के पास से 7 मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में इन्होंने अपने नाम जैकी पुत्र वीरेंद्र कंजर ,राहुल पुत्र कमलेश,जितेंद्र पुत्र विनोद,अमित पुत्र दया शंकर,देवा पुत्र विनोद,गौरव पुत्र राम अवतार निवासी गिहार कॉलोनी करहल मैनपुरी व गौरव पुत्र खेमराज निवासी मोहल्ला कोठी कैश जसवंत नगर इटावा बताया।पुलिस की गिरफ्त में आए अंतर्जनपदीय मोबाइल चोर गिरोह से पुलिस ने मेला के दौरान चोरी किए गए विभिन्न कंपनी के 54 मोबाइल बरामद किए। पुलिस के अनुसार बरामद मोबाइलों की कीमत करीब 8 लाख रुपए है।

लहरपुर कोतवाल राजीव सिंह की दमनकारी नीतियों के चलते पत्रकारों ने खोला मोर्चा

अमर ख्याल/ मनोज वैश्य

लहरपुर सीतापुर। स्थानीय कोतवाली प्रभारी राजीव सिंह की भ्रष्ट कार्यप्रणाली एवं दमनकारी कार्यशैली के विरुद्ध आक्रोशित पत्रकारों ने आदर्श पत्रकार एकता एसोसिएशन यू०पी० (रजि०) के बैनर तले एकत्रित होकर मुख्यमंत्री को संदर्भित एक ज्ञापन लहरपुर उपजिलाधिकारी अनुपम मिश्रा को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि पत्रकार अभिनव त्रिवेदी व पत्रकार देशप्रीत सिंह के विरुद्ध साजिशन दर्ज किए गए मुकदमे की जांच कर मुकदमे में गलत तरीके से सम्मिलित नाम को हटाया जाए व पत्रकार अभिनव त्रिवेदी के छोटे भाई विकास त्रिवेदी द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि उक्त दोनों पत्रकारों ने लहरपुर कोतवाली क्षेत्र में घटित घटनाओं एवं समस्याओं को लेकर अपने अपने समाचार पत्रों में खबरों का प्रकाशन किया था। जिसमें लहरपुर पुलिस की लापरवाही को उजागर किया गया था जिससे नाराज कोतवाली प्रभारी राजीव सिंह केसरीगंज चौराहे पर स्थित पत्रकार अभिनव त्रिवेदी के छोटे भाई के होटल पर घटित मारपीट की घटना में दोनों पत्रकारों के मौके पर ना होने के बावजूद भी खबरों के प्रकाशन को लेकर नाराज चल रहे कोतवाल राजीव सिंह ने मौका देखकर उक्त घटना में एक तरफा मुकदमा पंजीकृत कर दिया। जबकि पत्रकार अभिनव त्रिवेदी के छोटे भाई विकास त्रिवेदी द्वारा दी गई तहरीर पर स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सकीय परीक्षण करा लेने के बाद भी प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई । ज्ञापन में कुल प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर घटना में ना मौजूद दोनों पत्रकारों के नाम हटवाए जाने व विपक्षियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराकर न्यायोचित कार्रवाई की जाने की मांग के साथ-साथ साजिशकर्ता कोतवाल राजीव सिंह के विरुद्ध भी कुल प्रकरण की जांचकर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से आदर्श पत्रकार एकता एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण सिंह आचार्य,वरिष्ठ पत्रकार पंकज शुक्ला, अविनाश दीक्षित,आकाश सिंह,अभिनव त्रिवेदी,देशप्रीत सिंह,रियाजुद्दीन अंसारी,एहतिशाम बेग,जगतपाल वर्मा,शैलेश त्रिवेदी,अमित शुक्ला,बलराम मिश्रा,गोविंद गोपाल सिंह,मनोज कुमार,बंटी शुक्ला,वीरेश तिवारी,विपिन तिवारी,मो० हाशिम अंसारी,असलम अंसारी,धर्मेंद्र पांडेय,विनय कटियार,निर्मल पांडेय,नारायण कुमार विश्वकर्मा,रमाकांत शुक्ला,दिनेश शुक्ला,पंकज नाग,ओमकार वर्मा,सिंपू वर्मा,अवधेश कुमार, मानसिंह,अमित कुमार सहित तहसील क्षेत्र के लगभग आधा सैकड़ा पत्रकारगण शामिल रहे।

राष्ट्रीय शिव सेना संगठन ने दी कोतवाली अयोध्या में तहरीर

अमर ख्याल।आशुतोष अवस्थी,

अयोध्या।

राष्ट्रीय शिव सेना संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक श्री श्री 1008 जगतगुरु परमहंस आचार्य जी महाराज जीने काली माता के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने वाली तमिल फिल्मकार लीना और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ अयोध्या कोतवाली के अंतर्गत तहरीर दी। महाराज जी ने कहा काली माता के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने वाले इन दोनों लोगों पर समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो राष्ट्रीय शिव सेना (संगठन) के सैकड़ों साथियों के साथ बहुत बड़ा कदम उठाएंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र पांडे ने कहा कि अगर कोई उचित कार्रवाई सरकार नहीं करती है महाराज जी के नेतृत्व में बहुत बड़ा आंदोलन होगा। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक श्री श्री 1008 जगतगुरु परमहंस आचार्य जी महाराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र पांडे, पंकज पांडे,मानू पंडित, अनुराग मिश्रा, अमित मिश्रा, अन्य सैकड़ों संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

फुलरी लालता जन कल्याण समिति द्वारा किया गया आदिवासी क्षेत्रों का सर्वेक्षण

अमर ख्याल, सोनभद्र, करमा (सोनभद्र)। घोरावल ब्लाक अंतर्गत शिवद्वार क्षेत्र के चिन्हित ग्राम पंचायत बर्दिया राजस्व गांव कोलडीहवा, मरुअट, पेढ़, पर्शिया , धरसड़ा, टेढ़ी, मरसड़ा, बर्दिया ,बहेरी जो पूरी तरह से जंगल व पहाड़ों से घिरा हुआ है इन सभी गांवों में जंगली जातियां जैसे चेरो, मांझी बैगा, गौड़ आदि आदिवासी लोगों की बहुल्यता है। फुलरी लालता जन कल्याण समिति मरसड़ा द्वारा इन सभी गांवों का सर्वे किया गया जिसमें सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं ,सुरक्षा, शिक्षा अधिकार आदि को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही साथ जीरो से 5 वर्ष के स्कूल जाने व ना जाने वाले बच्चे गर्भवती माताओं, वृद्ध व्यक्तियों को भी चिन्हित किया गया साथ ही साथ सरकार की योजनाओं से वंचित गरीब तबके के लोगों को भी बैठक में बुलाकर उन्हें जागरूक किया गया। सर्वे के दौरान फलोदी लालता जन कल्याण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सहयोगी शराकत उल्ला सुनील कुमार ,शकुंतला देवी अनीता देवी, अब्दुल वाहिद रियायत तुल्ला,लालधारी प्रसाद, लालजी खुर्शीद अहमद, पूनम भारती, रन्नो देवी, राम लखन समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

दो शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे, दो नग मोनो पंप बरामद

अमर ख्याल, बीजपुर (सोनभद्र)। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गस्त और अपराधियों की धर पकड़ तेज करने के मद्दे नजर शनिवार की रात बरिष्ट उप निरीक्षक विनोद यादव मय हमराह रात में गश्त पर निकले थे कि इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि दो दिन पहले चोरी हुई मोनों पंप के साथ दो लोग उसे बेचने की फिराक में कहीं जाने के लिए राजो तिराहे पर खड़े है। प्रभारी निरीक्षक भैया एसपी सिंह के निर्देश पर पुलिस टीम तत्काल बताए हुए स्थान पर पहुँची तो दोनों व्यक्ति जंगल मे भागने लगे इस पर जवानों ने ततपरता दिखाते हुए दौड़ा कर दोनों को पकड़ लिया। जामा तलाशी के दौरान प्लास्टिक की बोरी में दो मोनों पंप बरामद हुआ।थाने लाकर पूछ ताछ के दौरान एक ने अपना नाम धर्मू लाल पुत्र दयाशंकर निवासी टोला मटियाडॉड, ग्राम नेमना दूसरा लतीफ शेख पुत्र तत्वीर शेख टोला राजो, ग्राम नेमना थाना बीजपुर बताया।पुलिस ने पूछताछ के बाद मुकदमा अपराध संख्या 71/22 धारा 379, 411 के तहत करवाई कर सम्बन्धित न्यायालय के लिए चालान कर दिया। बरामद मोनों पम्प की कीमत लगभग 30 हजार बताई जा रही है। पुलिस टीम में का० सुदामा यादव और दिनेश यादव शामिल थे।

मीरजापुर पिकनिक मनाने आए तीन युवकों की जलप्रपात में डूबने से हुई मौत

मीरजापुर। जिले के थाना अहरौरा अन्तर्गत स्थित चुनादरी वाटर फॉल पर जनपद वाराणसी से पिकनिक मनाने आये तीन युवकों डूब कर मौत हो गई है। जिससे हड़कंप मच गया बाद में जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी की खोजबीन गोताखोरों की मदद से प्रारंभ की है। बाद में फाल में डूबे संदीप खरवार पुत्र जितेन्द्र खरवार 26 वर्ष निवासी सूसवाही थाना चितईपुर वाराणसी, प्रिंस पुत्र प्रमोद सिंह 23 वर्ष निवासी मारूति नगर थाना लंका वाराणसी, रिशु पुत्र अज्ञात निवासी मारूति नगर थाना लंका वाराणसी की स्नान के दौरान डूब जाने की सूचना पर थानाध्यक्ष अहरौरा द्वारा मय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोर की मदद से तीनों डूबे हुए युवको के शव को बाहर निकाला गया है। अहरौरा पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। संदीप खरवार अपने छोटे भाई सहित सात लोगों के साथ चूना दरी वाटरफॉल पर पिकनिक मनाने के लिए आया हुआ था। प्रिंस कुमार भी अपने चार मित्रों के साथ चुना दरी में स्थान करने के लिए आया हुआ था बताया जाता है कि मारुति नगर निवासी प्रिंस बीएचयू में वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत हैं। रिशू भी प्रिंशू के साथ आया हुआ था। दूसरी ओर उक्त घटना के संदर्भ में लापरवाही बरतने के कारण आरक्षी विनोद कुमार पीएनओ 062762205 को पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा लाइन हाजिर किया गया। जबकि जिलाधिकारी मीरजापुर व पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा तत्काल प्रभाव से थाना अहरौरा क्षेत्रांतर्गत स्थित चुनादरी वाटर फॉल को आग्रिम आदेश तक के लिए बन्द कर दिया गया है।

विद्यालय की जमीन पर अवैध निर्माण करने पर जमीन दानदाताओं के परिजनों में आक्रोश

मीरजापुर। किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के नाम से दान दी गई जमीन पर किसान इंटर कालेज राजगढ़ के प्रबंधन समिति द्वारा अवैध निर्माण कर दुकान आवंटित कर मनमाना धन उगाई किए जाने पर भूमि दानदाताओं के परिजनों में आक्रोश व्याप्त है।उन्होंने तहसील दिवस पर प्रार्थना पत्र देकर काम रोकवाने का आदेश पारित करा दिया है फिर भी कार्य चल रहा है। जबकि जमीन विवाद का मामला न्यायालय में विचाराधीन है। किसान इंटर कॉलेज निर्माण करने के लिए भरूहवा गांव निवासी स्वर्गीय भूलन दुबे व स्वर्गीय भुवनेश्वर राम दुबे द्वारा सात हेक्टेयर भूमि 29 मई 1956 में दान दिया गया था !दान पत्र में यह शर्त भी रखा गया था कि दान दी गई भूमि में केवल शैक्षणिक भवन ही बनाए जाएंगे।परंतु विद्यालय की खाली पड़ी जमीन पर विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा अवैध भवन बनाकर दुकान आवंटित किया जा रहा है। जिससे आक्रोशित भूमिदाताओं के परिजनों द्वारा जिला अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, उपजिलाधिकारी मड़िहान सहित तहसील दिवस पर कई बार प्रार्थना पत्र देकर निर्माण रुकवाते हुए उचित कार्यवाही की मांग की गई थी! मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार द्वारा काम रोकवाने का आदेश भी दिया गया था लेकिन काम रोकने के बजाय भवन निर्माण का कार्य निरंतर चल रहा है।प्रार्थना पत्र के द्वारा आरोप लगाया गया है कि किसान इंटर कालेज के वर्तमान प्रबंधक द्वारा अबैध व मनमाने तरीके से किसान महाविद्यालय की विवादित भूमि पर भवन निर्माण कर दुकान आवंटन के नाम पर कुछ लोगों से मनमाना धन वसूली भी किया गया है जो विद्यालय समिति के किसी खाते में जमा नहीं किया गया है।वहीं विद्यालय की खाली पड़ी भूमि पर अवैध तालाब खुदवा कर मिट्टी बेच कर निजी लाभ लिया जा रहा है।मौके पर राजस्व टीम के साथ निरीक्षण करने पहुंचे मड़िहान उपजिलाधिकारी व तहसीलदार द्वारा पाया गया कि विद्यालय की खाली जमीन में खुदाई कर मिट्टी निकाला गया है। जिसे रोकने का तत्काल आदेश देते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

सोनांचल में मुल्क की सलामती के लिए अदा की गई ईद उल अजहा की नमाज

अमर ख्याल

सोनभद्र। जिले के विभिन्न कस्बों में अवस्थित ईदगाहों पर रविवार को ईद उल अजहा की नमाज अल्लाह की गई। इस दौरान पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था रही और सभी ने गंगा जमुनी तहजीब में एक दूसरे को गले लगा कर परस्पर प्रेम और सौहार्द स्थापित रखने तथा मुल्क के अमन चैन की दुआएं की।

रॉबर्ट्सगंज, शाहगंज, ओबरा, डाला, घोरावल, रेणुकूट, दुद्धी आदि कस्बों में ईद उल अजहां का पर्व परस्पर प्रेम और सौहार्द के साथ मनाया गया। चोपन नगर के गौरव नगर स्थित ईदगाह पर नमाज पढ़ने से पहले जामा मस्जिद के पेश ईमाम सद्दाम हुसैन कादरी ने ईदगाह पर तकरीरों में कुबार्नी की अहमियत बताई । वहीं चेयरमैन प्रतिनिधि उस्मान अली ने सभी लोगों को ईद उल अजहा की बधाई देते हुए कहा कि हमारे मुल्क की संस्कृति गंगा जमुनी है यहां हमेशा मुहब्बत का राज रहा है और हमेशा रहेगा। बाद नमाजे ईद उल बंदकरीम से गुनाहों की तौबा करने के साथ अल्लाह के रास्ते पर चलने की ताकत देने की और मुल्क की सलामती के लिये अमन-चैन की दुआ मांगी। अंजुमन सेक्रेटरी महफूज आरिफ ने सभी लोगों को आपसी भाईचारे सौहार्द के प्रतीक ईद उल अजहा की बधाई देते हुए नगर पंचायत के कर्मचारियों को ईदगाह की सफाई के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर जामा मस्जिद के नायब सदर सरफराज अहमद,हाजी मुख्तार अहमद,हाजी वकील अहमद, ईदू भाई ,डां मुन्ना ,नाजिम खान, सभासद मोजिब आलम, चिराग अली, रियाज अहमद, एजाज अंसारी, सलीम कुरैशी, सराफत अली,भाईजान, नगर पंचायत अधिशाषी अधिकारी महेंद्र सिंह, अनीस अहमद,मिडिया बन्धु व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। वही सुरक्षा के दृष्टिगत थाना प्रभारी निरीक्षक के.के.सिंह मय फोर्स चाक चौबंद नजर आये।

एक दूसरे से गले मिल लोगों ने बकरीद की दी बधाई

अमर ख्याल

बीजपुर (सोनभद्र)। स्थानीय थाना क्षेत्र के शांतिनगर, राजो, एनटीपीसी कॉलोनी, खम्हरिया के मुस्लिम भाइयों ने मस्जिद में नमाज अदा करते हुए एक दूसरे को बकरीद की बधाई दी। शासन के आदेशानुसार मस्जिद में ही नमाज अदा करने का पूर्ण रूप से पालन किया गया।बताया गया कि मीठी ईद के 70 दिन बाद यह बकरीद आता है। हजरत इब्राहिम अल्लाह के हुकुम पर अपनी वफादारी दिखाने के लिए अपने बेटे इस्माइल की कुबार्नी देने को तैयार हो गए थे।

जब हजरत इब्राहिम अपने बेटे को कुर्बान करने के लिए आगे बढ़े तो खुदा ने उनकी निष्ठा को देखते हुए इस्माइल की कुबार्नी को दुंबे की कुबार्नी में परिवर्तित कर दिया तभी से यह बकरीद के रूप में मनाया जाता है। बकरीद को ईद-उल-अजहा या ईद-उल-जुहा के नाम से भी जाना जाता है।

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक भैया एस पी सिंह हमराहियों के साथ क्षेत्र की मस्जिदों पर चक्रमण करते रहे। इस मौके पर मौलाना सहनवाज हुसैन, सदर सलीम बाबा ,उसमान, मुज्जमिल, इब्राहिम खजांची, नसीम अख्तर, मोहम्मद सलीम मास्टर,सेक्रेटरी रियाजुद्दीन अंसारी, हाजी खलील अहमद,मीर हसन ,अप्सरा मास्टर आदि की मौजुदगी में बकरीद की नमाज पढ़ी गई और देश में अमन चैन के दुआ की कामना की गई।

युवक मंगल दल ने अमौलिया में किया पौधरोपण

हिंद भास्कर संवाददाता

सोनभद्र। युवा कल्याण विभाग की सहयोगी संगठन युवक मंगल दल द्वारा रविवार को दल के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष मनोज कुमार दीक्षित के नेतृत्व में वाराणसी के आचार्य नित्यानन्द व सत्येन्द्र मिश्र के मार्गदर्शन में करमा ब्लाक के अमौलिया गाँव में पारिजात का पेड़ लगाकर वर्षा होने के लिए वरुण देव का वैदिक विधि विधान से मंत्रोचार द्वारा पूजन अर्चन कर आवाहन किया गया। वही श्री दीक्षित व युवक मंगल दल के कोषाध्यक्ष अजय केशरी ने बताया कि जुलाई माह तक औसत से कम वर्षा होने के कारण पौधा लगाकर जल के राजा वरुण देव से न्याय की गुहार लगाई गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अवर्षण के कारण कई हैंडपंपों ने जल स्तर छोड़ दिया है जिससे पानी के लिए त्राहि त्राहि मची हुई

है। वही अरविन्द शास्त्री व पंकज गोस्वामी ने संयुक्त रूप से बताया कि वृक्षारोपण करना बड़ी बात नहीं है, उसकी सुरक्षा का जिम्मेदारी उठाना बड़ी बात है। वृक्ष से पर्यावरण का संरक्षण होता है जो कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन के लिए जरूरी है। इस मौके पर विशाल वैभव, काजू समेत कई लोग मौजूद रहे।

इलेक्ट्रीसिटी अमेंडमेंट बिल रद्द करे सरकार: वर्कर्स फ्रंट

कहा पावर सेक्टर इंफ्रास्ट्रक्चर को कारपोरेट्स के हवाले करने का मसौदा है विधेयक

अमर ख्याल

सोनभद्र। मानसून सत्र में इलेक्ट्रीसिटी अमेंडमेंट बिल-2021 को पारित कराने के मोदी सरकार के प्रयासों का बिजली कामगारों, संगठनों और किसानों द्वारा विरोध शुरू हो गया है। वर्कर्स फ्रंट ने बिजली संशोधन विधेयक को रद्द करने की मांग प्रधानमंत्री मोदी से करते हुए कहा है कि सरकार ने मौजूदा स्वरूप में विधेयक को संसद में पेश न करने का वादा किसानों से किया था। ऐतिहासिक किसान आंदोलन के एजेंडे में बिजली संशोधन विधेयक को रद्द करने की मांग शामिल थी। आंदोलन के दबाव में प्रस्तावित इलेक्ट्रीसिटी अमेंडमेंट बिल-2021 को निलंबित रखने का वादा मोदी सरकार ने किया था। हालांकि सरकार नीति गत स्तर पर प्रस्तावित विधेयक को पारित कराने के सवाल पर किसी तरह के बदलाव के लिए कभी तैयार नहीं हुई। ऐसे में सरकार की कोशिश मानसून सत्र में बिजली संशोधन विधेयक-2021 को पारित कराने की हो सकती है! दरअसल बिजली संशोधन विधेयक का मकसद पावर सेक्टर के इंफ्रास्ट्रक्चर को कारपोरेट्स के हवाले करने और मुनाफाखोरी व लूट की खुली छूट देना है। विधेयक पारित होने के बाद किसानों को दी जा रही सब्सिडी और उपभोक्ताओं को दी जाने वाली क्रास सब्सिडी खत्म होने से बिजली दरों में भारी इजाफा तय है।

सरकार के इस दावे पर किसानों को भरोसा नहीं है कि बढ़ी हुई बिजली दरों की भरपाई डारेक्ट बेनिफिट ट्रान्सफर (डीबीटी) के माध्यम हो जायेगी क्योंकि एलपीजी सब्सिडी का हश्र देखा जा चुका है। उर्वरक से लेकर किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी पहले ही खत्म की जा चुकी हैं ऐसे में बिजली में सब्सिडी खत्म होने से लागत में भारी इजाफा होने से खेती किसानी और चौपट होगी।

वर्कर्स फ्रंट अध्यक्ष दिनकर कपूर ने कहा कि पावर सेक्टर के निजीकरण से न सिर्फ बिजली की दरों में इजाफा होगा बल्कि बिजली कर्मचारियों व अभियंताओं की सर्विस कंडीशन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ना निश्चित है और हजारों कामगारों को नौकरी से भी निकाला जा सकता है। कहा कि वितरण क्षेत्र में कंपनियों की च्वॉइस के विकल्प से कंपनियों की प्रतिस्पर्धा की वजह सुविधाओं में बढ़ोत्तरी महज प्रोपेगैंडा है। दरअसल किसी क्षेत्र विशेष में मल्टी सबस्टेशन व लाईनें मुहैया कराना संभव नहीं है जैसाकि टेलीकॉम कंपनियों के नेटवर्क में होता है। ऐसे में एक ही नेटवर्क सिस्टम से अलग अलग सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों के बावजूद बिजली आपूर्ति एक जैसी ही होगी।

जनपदीय पुलिस द्वारा ईद -उल-अजहा की नमाज को कराया गया सकुशल सम्पन्न

नमाज अदा करने वाले बंधुओं को दी गई हार्दिक बधाई

अमर ख्याल

सोनभद्र। रविवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा ईद-उल-अजहा/बकरीद पर्व के दृष्टिगत जनपद के समस्त धार्मिक स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच नमाज सकुशल सम्पन्न करायी गई। सकुशल नमाज सम्पन्न होने के उपरान्त मुस्लिम धर्मगुरुओं व सम्भ्रान्त व्यक्तियों खासकर छोटे-छोटे बच्चों को ईद-उल-अजहा/बकरीद त्यौहार की शुभकामनाएं दी गईं तथा त्यौहार को शान्तिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में भाईचारे के साथ मनाने का आह्वान किया गया । पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने हेतु निर्देशित किया गया था। सकुशल नमाज सम्पन्न होने के उपरान्त मुस्लिम धर्मगुरुओं व सम्भ्रान्त व्यक्तियों खासकर छोटे-छोटे बच्चों को ईद-उल-अजहा/बकरीद त्यौहार की शुभकामनाएं दी गईं तथा त्यौहार को शान्तिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में भाईचारे के साथ मनाने का आह्वान किया गया । पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने हेतु निर्देशित किया गया था।जनपद के राजपत्रित अधिकारीगण के नेतृत्व में प्रत्येक थाना क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु दंगा नियन्त्रण उपकरणो सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था । इसके अतिरिक्त जनपदीय सोशल मीडिया सेल द्वारा भी सामाजिक सद्भावना बिगाड़ने वाले आसमाजिक तत्वो की सतत निगरानी की जा रही थी। सोशल मीडिया के माध्यम से माहौल खराब करने वाले अराजक एवं शरारती तत्वों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जायेगी।

रक्तदान करने वालों को दवा नहीं खानी पड़ेगी

रक्तदान शिविर में चिकित्सकों ने व्यक्त किया उद्गार

मीरजापुर। जेएमजे-एक अपील के तहत मीरजापुर ब्लड डोनर क्लब के सहयोग से नगर के भरूहना स्थित कमला मेमोरियल स्कूल में रक्तदान का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक रत्नाकर मिश्र ने कहा कि नेता डॉक्टर सार्वजनिक धरोहर है। जीविकोपार्जन के लिए पैसा जरूरी है। इसका अर्जन डकैती की तरह नहीं होना चाहिए। अस्पताल में लोग राहत के लिए आते है उनका शोषण बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शरीर में बह रहा रक्त बरसात के पानी की तरह है। इसका दान किया जाय तो कई लोगों की जीवन बचाता हैं। बरसात का पानी रोक लीजिए तो वह काम में आता है अन्यथा वह बह जाता हैं ।महर्षि दधीचि ने पहला शरीर दान किया था। श्री मिश्र ने कहा कि लोग कहते है देश के लिए मरना सीखो मगर मेरी सोच हैं कि देश के लिए जीना सीखो। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं। अतिथियों का स्वागत करते हुए वरिष्ठ पत्रकार और कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री सलिल पांडेय ने कहा कि कर्मेंद्रिया और ज्ञानेंद्रियों को ब्लड के माध्यम से ही ऊर्जा मिलती है। सभा में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डा. आनंद तिवारी ने कहा कि रक्तदान करने के बाद 120 दिन में वह नई ऊर्जा के साथ बन जाता हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए वर्ष में दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। डा. एस एन पाठक ने कहा कि हादसे के बाद चार घंटा पीड़ित के लिए गोल्डेन आवर होता है। इस दौरान ब्लड और इलाज मिल जाएं तो ठीक हैं। इसके बाद किया गया उपचार भगवान मालिक हैं।

मीरजापुर मंडलीय चिकित्सालय के ब्लड बैंक के जन सम्पर्क अधिकारी राम कुमार ने कहा कि जॉच के बाद ही रक्तदान की प्रक्रिया आरम्भ की जाती हैं। रक्तदान शारीरिक क्षमता को बढ़ाने का एक सरल माध्यम है। मीरजापुर ब्लड डोनर क्लब के संस्थापक कृष्णानंद हैहयवंशी ने कहा कि आज नए लोग जुड़ेंगे कल यही लोग दूसरों की जान बचायेंगे। मेरी पूरी टीम 24 घंटा रक्तदान के लिए तैयार है। रक्तदान करने वालों को दवा नहीं खाना पड़ता । अशोक द्विवेदी ने कहा कि ज्ञान विज्ञान के कोष को बढ़ाने का काम करता है । रक्तदान का कोई विकल्प नहीं है। हम किसी को रक्तदान करके जिंदगी दे सकते है। समय पर मिला रक्त जीवन दान देता हैं। महिला प्रबोधिनी फाउंडेशन के विभूति मिश्र ने कहा कि रक्तदान सभी को करना चाहिए। युवा आगे बढ़े। रक्त के अभाव में किसी की जान न जाए। कार्यक्रम के दौरान 25 लोगों ने रक्तदान के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जिसमें से 10 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में सर्वश्री शशिन यादव, वैभव शुक्ल, देवेश शुक्ल, सिद्दार्थ सिंह, कृष्णकांत मिश्र, श्री मती अनिताराज यादव, श्री मती अंजू गुप्ता, विशाल विश्वकर्मा, दीपक कुमार, पवन पाण्डेय सम्मिलित रहें। कार्यक्रम के दौरान सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

आखिर क्यों जरूरी है जैविक खेती पर आयोजित की गई ऑन लाइन कार्यशाला

मीरजापुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित जिला विज्ञान क्लब मिजार्पुर के तत्वाधान में आज 10 जुलाई को आखिर क्यों जरूरी है जैविक खेती पर आयोजित कार्यशाला में बाल वैज्ञानिक, किसान भाई,विज्ञान संचारक ने प्रतिभाग किया। जिसमें 129 लोगो ने प्रतिभगिता की। इस कार्यशाला में जैविक खेती क्या है, संरक्षड खेती, जैविक खेती के प्रमुख अवयव आदि पर विशेषग्यो द्वारा व्याख्यान के माध्यम से जानकारी दी गयी। जिला समन्यवक सुशील कुमार पांडेय ने बताया कि जैविक खेती कृषि की वह विधि है जिसमे रासायनिक उर्वरकों एवम कीटनाशकों का प्रयोग नही या न्यूनतम प्रयोग किया जाता है। भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाये रखने के लिए फसल चक्र, हरि खाद, तथा कम्पोस्ट खाद का प्रयोग किया जाता है। प्रकृतिक खेती के सिद्धांतों का पालन करते हुए रोगों और कीटो से फसल की रक्षा की जाती है।इस प्रकार की खेती पर्यावरण के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। यह ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण में आ रहे परिवर्तनो को रोकने में सहायक है। इसमें ऊर्जा संरक्षड का विशेष ध्यान रखा जाता है। कृषि विज्ञान के असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉक्टर पी के सिंह ने कहा कि संरक्षड कृषि का एक नया मॉडल है जो पर्यावरण के बेहद अनुकूल है। इस खेती में जमीन को या तो बिल्कुल भी नही जोता जाता या फिर कम जुताई होती है। इसमे वीजो को सीडड्रिल की सहायता से बोते हैया फसल के पौधों कोशुरू में नर्सरी में उगाकर खेत मे रोपाई की जाती है।इसमे लागत कम आती है और पैदावार ज्यादा होती है।इसमे भूमि को बिना जोते बार बार कई वर्षों तक फसल उगाई जाती है। जुताई न करने से भूमि में नमी बनी रहती है।भूमि के अंदर और बाहर की जैव विविधता की क्षति नही होती। यदि उस तरह की खेती बड़े पैमाने पर की जाय तो यह कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है।

कुल 540 स्थानों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में अदा की गई बकरीद की नमाज

अमर ख्याल

आजमगढ़। जनपद में रविवार को ईद-उल-अजहा यानी बकरीद की नमाज कुल 540 स्थानों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में अदा की गई। मुस्लिम धर्म के महत्वपूर्ण त्योहारों में शामिल ईद-उल-फितर (ईद) पर्व के दो माह दस दिन बाद मनाए जाने वाले कुबार्नी के इस पर्व ईद- उल- अजहा को मनाने के लिए लोग एक दिन पूर्व से ही पूरी तैयारी कर चुके थे। इस महत्वपूर्ण त्यौहार को मनाने में किसी तरह का कोई खलल न पड़े इसके लिए प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। रविवार को इस पर्व के अवसर पर जनपद के 540 ईदगाहों व मस्जिदों में बकरीद की नमाज अदा की गई। शहर क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण स्थान जिसमें ईदगाह, जामेतुर्रशाद मदरसा एवं दलालघाट मस्जिद पर सुबह लोग नमाज में शामिल हुए। नमाजियों की सहूलियत के हिसाब से हर जगहों पर नमाज के लिए निर्धारित किए गए समय पर पेश इमाम द्वारा नमाज अदा कराई गई। इसके बाद शुरू हुआ कुबार्नी का दौर दोपहर तक जारी रहा।

त्योहार के मद्देनजर जनपद में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे।

शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए की गई प्रशासनिक व्यवस्था पर नजर रखने के लिए जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य व अपर जिलाधिकारी प्रशासन अनिल कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी पूरे दिन चक्रमण करते नजर आए। शांति व्यवस्था के मद्देनजर जनपद को कई सेक्टरों में विभक्त कर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस व पीएसी के जवानों के साथ ही सादी वर्दी में भी स्थानीय खुफिया इकाई के लोग मुस्तैदी से अपने काम को अंजाम देने में लगे हुए थे। इस मौके पर शहर की जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना इंतखाब आलम कासिमी ने जनपदवासियों से बकरीद पर्व पर बधाई व शुभकामना संदेश दिया। समाजसेवी दीनू जायसवाल ने लोगों से मिल उन्हें बकरीद की बधाई दी।

बकरीद की नमाज के बाद लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग

अमर ख्याल

आजमगढ़। जनपद के गंभीरपुर क्षेत्र के गंभीरपुर चौकी के चिउटहीं गांव में ईद उल अजहा (बकरीद) की नमाज के बाद हर्ष फायरिंग का मामला सामने आया है। गनीमत रही कि इस दौरान कोई अनहोनी नहीं हुई। चौकी इंचार्ज द्वारा उक्त अभियुक्त को हिरासत में ले लिया गया।

जानकारी के अनुसार गंभीरपुर क्षेत्र के चौकी गंभीरपुर के चिउटही गांव निवासी गालिब उम्र 68 वर्ष पुत्र लालमोहम्मद ने बकरीद की नमाज के बाद अपनी लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग कर दिया।

संयोग अच्छा था कि इस दौरान कोई अनहोनी नहीं हुई। मस्जिद के बाहर सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को इसकी आवाज सुनाई दी तो मौके पर मौजूद चौकी इंचार्ज रामनिहाल वर्मा द्वारा उच्च अधिकारियों को सूचना के बाद अभियुक्त गालिब को हिरासत में ले लिया गया। सूचना मिलते ही सीओ सदर सौम्या सिंह मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। गंभीरपुर थाना प्रभारी रामप्रसाद बिंद ने आरोपी युवक को असलहा सहित हिरासत में लिया। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए अभियुक्त का चालान कर दिया।

बकरीद की सुरक्षा व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान राइफलधारी को देख ठिठके एसपी के कदम

अमर ख्याल

आजमगढ़। बकरीद की नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करने निकले एसपी अनुराग आर्य के कदम उस समय ठिठक गए जब उनकी नजर छत पर खड़े राइफल धारी पर पड़ी। सरायमीर के खरेवा मोड़ स्थित मदरसा बैतुलउलूम के पास फोर्स के साथ एसपी आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान उनकी नजर राइफल लिए एक व्यक्ति पर पड़ी। राइफल देखते ही उन्होंने उससे पूछा कि लाइसेंस किसके नाम से है, तो उसने अपना परिचय पूर्व जिला पंचायत सदस्य बबलू यादव निवासी भरौली के रूप में दिया।

बबलू ने बताया कि जिस मकान की छत पर खड़ा था उस पर कुछ लोग विवाद करते हैं। पिता ने वर्ष 1984 में सात बिस्वा जमीन बैनामा कराया था। एक पक्ष के लोग मकान नहीं बनने दे रहे थे। बड़ी मशक्कत के बाद मकान बना। अब मकान खाली कराने के लिए कई बार हमें जान से मारने की जेल से धमकी दी गई। जमीन छोड़ दो वरना खत्म कर दिए जाओगे। इसका मुकदमा भी दर्ज है। एसपी ने फोन करने वाले का नाम जाना और कहा कि उस अपराधी से पूछताछ होनी चाहिए थी। इस पर बबलू ने बताया कि आपके यहां भी सुरक्षा की गुहार लगा चुका हूं। इस पर एसपी ने उसको भरोसा दिलाया कि अब इस तरह का फोन आता है तो हमें तत्काल अवगत कराएं। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आगामी त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों द्वारा फ्लैग मार्च

अमर ख्याल

गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र के भडसर पुलिस चौकी पर आज शाम शनिवार को आगामी त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिरनो थाना में स्थित समस्त पुलिसकर्मी द्वारा फ्लैग मार्च किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राजधारी चौरसिया ने कहा कि अपराधी अगर अपराध करने के लिए प्रयास करेगा तो उसके मंसूबे को पुलिस नाकाम कर देगी। इसके लिए अभी से खुफिया तंत्र ने अपना जाल फैला रखा है। वह अपराधियों व उनके शरणदाताओं पर पैनी नजर लगाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि अपराधी समाज में एक दूसरे के बीच वैमनस्यता फैलाने में लगे हैं। पुलिस पूरी ताकत के साथ उनके फन को कुचलने में लगी है। गांव में एक दूसरे के बीच सामाजिक सौहार्द बना रखे । इसके लिए आपस में मिल-जुलकर रहना होगा। पुलिस दिन रात लोगों कि सुरक्षा में जुटी है। सही मायने में इन अपराध व अपराधियों पर रोकथाम तभी संभव है, जब जनता इसमें सहयोग करे। संगठित अपराध और अपराधियों के खात्मे के लिए हम सभी ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ एकजुट हों और पुलिस के हाथ मजबूत करें। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से कहा कि अगर संगठित अपराध जैसे मादक पदार्थों की बिक्री, जुआ, महिला अपराध आदि के बारे में तुरंत स्थानीय पुलिस को या कंट्रोल रूम के 112, महिला हेल्पलाइन 1090 नंबर पर या फिर थाने जाकर सूचना दे सकते हैं, ताकि समय रहते ऐसे लोगों पर कार्रवाई हो सके। इसमें बिरनो थानाध्यक्ष संतोष कुमार, उपनिरीक्षक रितेश द्विवेदी, उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार, उपनिरीक्षक दयाराम मौर्य सहित महिला और पुरुष कांस्टेबल मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज में जल्द मिलने लगेगी एमआरआइ जांच की सुविधा

अमर ख्याल, आजमगढ़। राजकीय मेडिकल कालेज में बेहतर चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने के लिए नित नए प्रयास कर रहा है। ट्रामा सेंटर की स्वीकृति मिलने के बाद अब एमआरआइ जांच सुविधा उपलब्ध कराने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इसकी मंजूरी मिली तो एमआरआइ के लिए जेब ढीली नहीं करनी पड़ेगी। मरीजों की जांच के लिए वैसे तो राजकीय मेडिकल कालेज व सुपर फैसिलिटी अस्पताल में एक्स-रे, सोनोग्राफी, सीटी स्कैन, ब्लड तथा यूरिन से संबंधित सभी तरह की जांच सुविधाएं पहले से मौजूद हैं। बस कमी थी तो एक मात्र एमआरआइ जांच सुविधा की, लेकिन अब यह कमी भी जल्द पूरी होने वाली है। इसके लिए मेडिकल कालेज प्रशासन ने शासन को पत्र भेजा है। इस जांच की सुविधा होने से लोगों को लखनऊ तथा बीएचयू का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। सहायक चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर नियाज हसन ने बताया कि राजकीय मेडिकल कालेज में एमआरआइ जांच सुविधा नहीं होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। लोगों की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए मेडिकल कालेज प्रशासन ने चिकित्सा शिक्षा विभाग को अवगत करा दिया है। शासन द्वारा स्वीकृति मिलते ही एमआरआइ मशीन लगा दी जाएगी। बताया कि स्वीकृति मिलने के बाद रेडियोलाजी (विकिरण चिकित्सा विज्ञान) विभाग में ही एक्स-रे, सोनोग्राफी तथा सीटी स्कैन मशीन के साथ एमआरआइ मशीन लगाने की व्यवस्था की जाएगी।

बादल की आवाजाही के बीच मानसूनी बेरुखी जनजीवन पर भारी, उमस से नहीं मिल रही राहत

अमर ख्याल, आजमगढ़। लंबे समय से वर्षा न होने से मानव संग पशु-पक्षी भी उमस भरी गर्मी से बिलबिला गए हैं। मानसून के बेरूखी अब जनजीवन पर भारी पड़ने लगी है। उसम भरी गर्मी के बीच लोगों को दिन काटना पड़ रहा है। रविवार को बादल की आवाजाही के बीच दिन भर धूप व छांव का खेल चलता रहा। पुरुआ हवा चलने से कुछ दूर चलने पर ही लोग पसीने से तर-बतर हो जा रहे है। पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं बुझ रही है। कूलर व पंखे भी लोगों को राहत नहीं पहुंचा पा रहे हैं। अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहा। लंबे समय से वर्षा नहीं होने से किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरें नजर आने लगी हैं। किसानों के अनुसार अभी पानी नहीं मिला तो काफी नुकसान हो जाएगा। पानी के अभाव में धान की रोपाई बाधित है। सुबह तेज धूप होने के कारण घरों से निकलने से लोग परहेज करते रहे। कभी धूप तो कभी छांव का दौर पूरे दिन चलता रहा। छुट्टी का दिन होने के कारण लोग सड़कों पर कम दिखाई दिए। उमस के कारण लोग घरों में परिवार के साथ रहे। शाम को पार्कों में लोग टहलते व मस्ती करते हुए दिखाई दिए। पेड़ों के नीचे थोड़ी राहत जरूर मिल रही थी, लेकिन उमस से लोग परेशान दिखे। गर्मी के कारण यात्रा करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रोडवेज बस अड्डे पर लोग गर्मी से परेशान दिखे।

सरकारी भूमि पर चल रहे निर्माण को तहसील प्रशासन ने रोका

अमर ख्याल

आजमगढ़। जनपद के सगड़ी तहसील के ग्राम बनकटा में खलिहान के नाम अंकित भूमि पर हो रहे निर्माण को रविवार को तहसील प्रशासन ने रोक दिया। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने प्रधान समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बनकटा मंडल के लेखपाल रामनवल यादव ने दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के राम कुंवर, संजय, संत विजय, राम विजय व कमली पत्नी मिलकर खलिहान की भूमि पर निर्माण करा रहे थे। भूमि प्रबंध समिति अध्यक्ष/ग्राम प्रधान ने उसे रोकने में प्रशासन की मदद नहीं की। तहसीलदार सगड़ी अभिषेक सिंह ने बताया कि अवैध निर्माण की जानकारी गांव के अजय यादव द्वारा मोबाइल से दी गई। उसके बाद राजस्व निरीक्षक उमा प्रसाद को मौके पर भेजा गया। राजस्व निरीक्षक के पहुंचते ही निर्माण कार्य में लगे मजदूर लिंटर की मशीन के साथ मौके से भागना शुरू कर दिए। कुछ देर बाद खुद पहुंचे और राम कुंवर व उनके पुत्र संजय से अवैध कब्जा हटाने के लिए कहा, लेकिन कब्जा हटाने से इन्कार कर दिया। उसके पश्चात ग्राम प्रधान सुनीता यादव जो कि भूमि प्रबंध समिति अध्यक्ष भी हैं, को अवैध निर्माण हटाने हेतु श्रमिक उपलब्ध कराने को कहा गया, लेकिन उनके द्वारा हीलाहवाली करते हुए लगभग तीन घंटे बाद भी मजदूर उपलब्ध नहीं कराए गए। ग्राम प्रधान ने अपने पदीय दायित्वों का अनुपालन मौके पर नहीं किया। बताया कि प्रकरण में उच्च न्यायालय प्रयागराज ने मौके पर यथास्थिति बनाए जाने हेतु निर्देशित किया है। ऐसे में उच्च न्यायालय के आदेश का भी उल्लंघन किया गया है इस संबंध में थाना प्रभारी रौनापार अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि तहसील प्रशासन की ओर से मिली तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

'बाल वन' से हरा-भरा होगा विद्यालयों का परिसर

अमर ख्याल, आजमगढ़। हरियाली के बीच बच्चे अब पढ़ाई करेंगे। बच्चों को छाया के साथ-साथ स्कूल में ही अनार, आम, जामुन व अमरूद भी खाने को मिलेंगे। इससे उनकी सेहत भी अच्छी होगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने परिषदीय विद्यालयों में ह्यबाल वनह्ल बनाने की योजना बनाई है। इसे मूर्त रूप देने में विभाग जुट गया है। जिले के 22 ब्लाकों में पांच-पांच स्कूलों का चयन किया गया है। प्रत्येक स्कूल में 50 से लेकर 200 तक पौधे जगह के हिसाब से रोपे जाने हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने बाल वन के लिए विद्यालयों की सूची वन विभाग को सौंप दी है। बाल वन तैयार करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के पौधों का लक्ष्य 5200 से बढ़ाकर 11,200 कर दिया गया है।
परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की सेहत को ध्यान में रखते हुए पौधों का चयन किया गया है। विद्यालय में आम, अमरूद, अनार, जामुन के अलावा नीम के अधिक से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। डीएफओ जीडी मिश्रा ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के बाल वन तैयार करने की योजना के कारण पौधों का लक्ष्य बढ़ा दिया गया है। अहरौला, अतरौलिया, अजमतगढ़, बिलरियागंज, फूलपुर, हरैया, जहानागंज, कोयलसा, लालगंज, महराजगंज, मार्टीनगंज, मेंहनगर, मिजार्पुर, मुहम्मदपुर, पल्हनी, पल्हना, पवई, रानी की सराय, सठियांव, तहबरपुर, तरवां व ठेकमा ब्लाक शामिल हैं।

बिरनो क्षेत्र में लगातार चोरियों के कारण क्षेत्रवासी दहशत में

क्षेत्र में चोर पुलिस को लगातार दे रहे चुनौतियां

अमर ख्याल

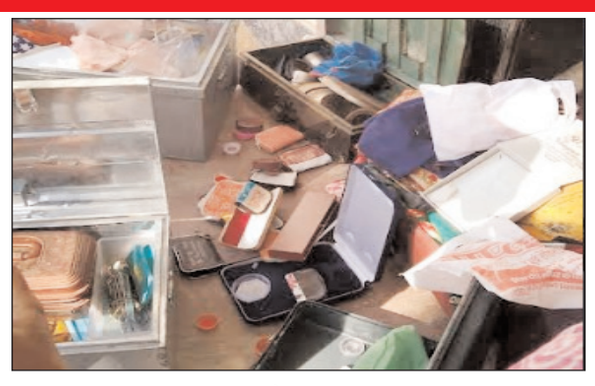

गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र में चोरों के तांडव से क्षेत्रवासियों में दहशत व्याप्त है । जो पिछले कई महीनों से अपने मुकाम को हासिल करने में लगे हैं ।तत्पश्चात चोरों की सक्रियता के कारण क्षेत्र में लगातार मिनी सचिवालय सहित आम जनता के घरों में भी वारदात करने में पीछे नहीं हैं । और चोरी की वारदातों पर बिरनो पुलिस अंकुश लगाने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है । पिछले कई सप्ताह से लगातार दर्जनों चोरियां हुई है , लेकिन बिरनो पुलिस पता लगाने मे बिफल रही । क्षेत्रवासियों का कहना है कि पुलिस द्वारा रात में गस्त नहीं किया जाता है जिसके कारण चोरी की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है । प्राप्त जानकारी के अनुसार मामला इसी थाना क्षेत्र के अंतर्गत अरखपुर गांव निवासी राजबली पटेल के घर बीती रात चोरों द्वारा लाखों का सामान चोरी कर फरार हो गए । परिवार के सदस्य शमशेर द्वारा बताया गया कि चोर घर के पिछे से छत के पास लगे पेड़ के सहारे घर के अंदर घुसे और घर में रखे गहने समेत नगदी रुपए लेकर फरार हो गए । सुबह जब परिवार के सदस्य जगे तो देखा की कमरों का ताला टूटा पड़ा हुआ है । परिवार के लोगों द्वारा शोर मचाने के बाद ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई । तभी ग्रामीणों द्वारा घर के अगल-बगल देखने के बाद चरी काटने जा रही , महिला ने अपने चरी के खेत में समान बिखरने को देखकर शोर मचाया । ग्रामीणों ने देखा तो चार बक्सा , अटैची , और कुछ सामान बिखरा पड़ा है । जिसकी सूचना परिवार के लोगों द्वारा 112 नंबर पर दिया गया । इस घटना की जानकारी होने पर 112 नंबर पुलिस पहुंची और मौके का मुआयना किया । इस घटना की क्षेत्र में चर्चा का विषय बना है।

पुलिस छावनी में तब्दील रहा मुबारकपुर का लोहरा गांव, नहीं हुई कुबार्नी

अमर ख्याल, आजमगढ़। मुबारकपुर के बाकी हिस्सों में तो मुसलमानों ने कुबार्नी का पर्व मनाया, लेकिन लोहरा गांव के लोग एक बार फिर कुबार्नी नहीं दे सके। पूरा गांव संगीनों के साए में रहा। बकरीद की नमाज तो पुलिस की पहरेदारी में पढ़ी गई, लेकिन कुबार्नी के लिए लोगों को दूसरे गांवों में जाना पड़ा। इस गांव में 1992 से कुबार्नी पर रोक लगी है। कुबार्नी न होने पाए, इसके लिए एक दिन पूर्व ही महिला पुलिस के साथ सभी घरों की सघन तलाशी ली गई है। हर साल की तरह इस बार भी लोगों ने अपने पशुओं को दूसरे गांव पहुंचा दिया था। गांव में रविवार को पहरा रहा। इस गांव में 1992 से कुबार्नी पर रोक लगी है। कुबार्नी न होने पाए, इसके लिए एक दिन पूर्व ही महिला पुलिस के साथ सभी घरों की सघन तलाशी ली गई है। हर साल की तरह इस बार भी लोगों ने अपने पशुओं को दूसरे गांव पहुंचा दिया था। गांव में रविवार को पहरा रहा।अभी दो दिन तक गांव पुलिस छावनी में तब्दील रहेगी। एडीएम प्रशासन अनिल मिश्रा, एसडीएम अभय सिंह, सीओ सदर सौम्या सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र बहादुर सिंह, तहसीलदार सदर उमाशंकर, कानूनगो कैलाश यादव, विनय सिंह, चौकी प्रभारी अश्वनी मिश्रा के अलावा प्रशासन के आला अधिकारी पहुंचते रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अशोक कुमार द्वारा राज तरूण आफसेट, एलजीएफ 5-14, अंसल सिटी सेंटर, निकट यूपी प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा ग्राम भुसना, पोस्ट भुसना, तहसील महमूदाबाद जनपद सीतापुर (उ0प्र0) से प्रकाशित। **सम्पादक : अशोक कुमार (मो. 9651086162)**। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.वी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सभी विवाद सीतापुर न्यायालय के आधीन होंगे।